प्रश्न और उत्तर इब्रानियों भाग 1

वह परमेश्वर के बिना यह कैसे कर सकती थी? यह एक वास्तविक होगा, क्या ऐसा नहीं है? प्रभु के बिना नहीं हो सकता था।

मैं उन सब में से प्रचार नहीं करने जा रहा हूँ। लेकिन मैंने सोचा कि हो सकता है कि मेरे हाथ कोई कठिन प्रश्न लग जाए, आप जानते है, इसलिए बेहतर होगा कि मैं तैयार रहूं। लेकिन, ओह, यह बहुत ही, बहुत ही आसान था। तो हो सकता है कि तब लोगों के बीच बहुत अधिक प्रश्न न हों, यह बस बहुत ही साधारण और सरल प्रश्न हों। खैर, मुझे ख़ुशी होती है कि मैं उनका सबसे अच्छा उत्तर का प्रयास करूं जितना मैं कर सकता हूं, प्रभु की सहायता से।

2 और क्या बहन आर्गनब्राइट आज रात है... बहन रूत। क्या आप यहाँ हैं, बहन रूत? यहाँ पर। मेरे पास... ओह, हाँ, मेरे पास यहाँ का पता है, और... नहीं, मैं नहीं। ठीक है, मैं इसे यहीं से ले सकता हूं। मैंने इसे अपने बटुवे या छोटी बैग में रखा था, और मैंने अपने बटुवे को घर पर ही छोड़ दिया। अब, यदि पुलिस मुझे घर जाते हुए पकड़ लेती है, भाई फ्रीमेन, तो आप मुझे छुड़ाने के लिए आ जाना। बिली को बताना मैं... मैंने अपने बटुवे को घर पर छोड़ दिया है, आज रात मैं बिना लाइसेंस के गाड़ी चला रहा हूँ। और मैंने सोचा था कि यह मेरी जेब में है; मैंने तब कपड़े बदले थे। मैं आज दोपहर जल्दी में था, जल्दी से कुछ घास को काट रहा था और मुझे छोड़ना पड़ा था और जल्दी करना था और अंदर आकर, कपड़ो को बदला और यहाँ जल्दी से आ गया। और मैं—मैं शब्दकोष को लाया हूं, लेकिन आप इसे बाद में वहां से प्राप्त कर सकते हैं।

3 *उस* पत्र के विषय में बुरा महसूस मत करना। यदि मुझे कभी इससे बुरा पत्र नहीं मिला, तो यह एक अच्छा पत्र होगा। वह अच्छा था। वह बहुत ही, बहुत ही अच्छा था। मैंने आपको बताया था कि मैं इसे नहीं पढ़ूंगा, लेकिन मैं इस पर चला गया, आप जानते है, और बस इसे अब और नहीं रोक पाया। जो आपने कहा मैंने तब सोचा। और यह बहुत ही, बहुत ही अच्छा था, एक असली स्कूल शिक्षक की तरह लिखा जैसे लिखना चाहिए।

यह अच्छा था, और मैं इसकी सराहना करता हूं। और यह—यह आपको देता है...

4 आप देखो, मुझे किसी ऐसे व्यक्ति के पत्र पसंद हैं जो आपसे थोड़ा भिन्न हों—हों। देखो, यदि आप हर समय के साथ चलते हो, आप किसी से भिन्न नहीं होते है, आप फीके पड़ने लगते हो। आपको थोड़ा भिन्न होना होगा जिससे कि आप समझ सकें और अंदर जा सकें। और—और यदि आप नहीं देखते हैं तो आप बस उलझन में पड़ जाते हैं; फिर आप—फिर आप जब ऐसा करते हैं तो आप परेशानी में पड़ जाते हैं। आपको बस एक प्रकार से आगे चलते रहना है और किसी को लेना है जो आपसे अलग है और कभी तो समय में एक बार अपने पंख फड़फड़ाना है।

5 अफ्रीका में मैंने दो छोटे शेर को देखा, और वे छोटे से बच्चे ही थे, लगभग *इतने* से। धब्बेदार, छोटा, बहुत ही छोटा शेर; एक छोटा शेर, एक छोटी सी शेरनी। और अब, वे बिल्ली के बच्चे की तरह दिख रहे थे, वे इतने छोटे थे, छोटे... सबसे सुंदर छोटी सी चीज, वे बस खेल रहे थे। और मैं उन्हें अमेरिका में वापस लाने जा रहा था, मैंने उन्हें एक पक्षी के पिंजरे में रखा था। मैं उन्हें वापस लाने जा रहा था, लेकिन मुझे ऐसा कोई—कोई नहीं मिला जो उन्हें टीका लगाये, कोई दवाई दे। और पहले उन्हें टीका लगाए बगैर वे मुझे संयुक्त राज्य अमेरिका में लाने नहीं देंगे, और मुझे ये पूरे अफ्रीका में नहीं मिला। लेकिन यदि आप जानना चाहते हैं कि वो शेर है या नहीं, बस उसे हल्का सा पीछे चांटा मारो। वह लड़ने के लिए तैयार हो जाएगा और आप जान जायेगा कि वह एक शेर था, जिससे कि—जिससे कि आपको पता चल सके कि वह कहां पर खड़ा था।

6 इसी तरह से आपको कभी तो एक बार करना है, आप जानते है, ये पता लगाने के लिए, एक प्रकार से पंखों को पीछे की तरफ फड़फड़ाना है। लेकिन अब, हम शेर की तरह क्रोधित नहीं होते; हमने बस—हम बस इसे पसंद करते हैं, कि... लोगो के सवाल पूछने के लिए। और इस तरह के प्रश्न, बहन रूत, मेरे लिए बहुत ही, बहुत ही अच्छा हैं। यह एक... मैं—मैं इसे पसंद करता हूं, देखो। यह वास्तव में एक बेकार किस्म के है जिसे मैं लेना पसंद नहीं करता। लेकिन वे एक... यह अच्छा था।

7 अब हमारे पास कुछ अच्छे, उत्तेजित करने वाले, कुछ घरेलू प्रश्न हैं। वहाँ पीछे एक प्रचारक है पीछे के कमरे में ठीक अभी, मुझसे पूछा, कहा,

“प्रकाशितवाक्य 11 के दो भविष्यव्यक्ता, क्या वे रेपचर से पहले आएंगे? या ठीक इस्राएल को लिए जाने से पहले? और क्या... ” अब, इसी तरह के प्रश्न होते हैं जो—जो—जो आपको वहां जोड़े रखते है। लेकिन इस तरह के ये सरल प्रश्न ठीक हैं।

लेकिन अब, इससे पहले कि हम आरंभ करें, आइए हम प्रार्थना के लिए अपने सिरों को झुकाये।

8 पिता, इस बात पर ध्यान दिया गया कि जब आप बारह वर्ष के थे, आप मन्दिर में शास्त्रियों और ज्ञानियों के संग पाये गये थे, और उन से वचनों पर चर्चा कर रहे थे। और वे—वे इस पर अचंभित हो गये थे... वे पुराने समय के लोग थे, और वचनों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित थे, और मगर लगभग बारह वर्ष के एक छोटे लड़के को देखकर जो वचनों को समझा रहा था, जो बस—बस चकित कर रहा था। आप अपने पिता के व्यवसाय में थे। आपने अपनी माँ से कहा, “क्या तू नहीं जानती कि मुझे अवश्य ही अपने पिता के व्यवसाय में होना चाहिए? ” ताकि वचनों को उनके आत्मिक अर्थों के साथ समझाऊं।

9 और अब हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि—कि आप जानते है कि हम कितने कमजोर और दुर्बल हैं, और हम किस प्रकार गलतियों के अधीन हैं, कि आप आज रात पवित्र आत्मा के रूप में हमारे साथ आये, और हमें वचनों को समझाए। मैं प्रतीक्षा कर रहा हूँ और आप पर निर्भर हूँ। और यदि मैं कभी भी, किसी भी समय, अपने विचारो या अनुवाद को या कोई स्वार्थी चीज़ डालने की कोशिश करूं, कि इसे ऐसा बनाने की कोशिश करूं जिस तरह से मैं इसे समझा रहा हूं तो यह सही होगा, तो मेरा मुंह बंद कीजिये, प्रभु, जैसा आप करेंगे... जब वे दानिय्येल के पीछे आये, तब आपने सिंहों का मुंह बंद किया है। आप अब भी वही परमेश्वर हैं।

10 और इसे पूरी तरह से... जैसा कि हम पवित्र आत्मा पर निर्भर हैं, होने पाए वो अब इन बातों को हम पर प्रकट करे। और फिर जब वह उन्हें बोलता है, तो उन्हें इतना स्पष्ट करें कि जिसने प्रश्न किया है वह उसे ग्रहण कर सके। और यदि वह विपरीत उत्तर देता है जिसे मैंने हमेशा ही विश्वास किया है, तो मेरा हृदय भी आनन्दित हो, प्रभु, यह जानकर कि मैंने कुछ नया पा लिया है, और जो प्रभु का कोई अच्छा मार्ग है। क्योंकि आपने कहा, “वचनो

में खोजें, क्योंकि उनमें आप सोचते हैं कि आपके पास अनन्त जीवन है, और वे वही हैं जो मेरी गवाही देते हैं।”

11 अब, वचन की इस शिक्षा के बाद, यह निश्चित रूप से बहुत से विचारों और आदि को ऊपर लाएगा। और मैं प्रार्थना करता हूँ, परमेश्वर, अब कि ये सारे प्रश्न बहुत ही मधुरता से और शिष्टता से पूछे गए प्रतीत होते हैं, होने पाए पवित्र आत्मा शिष्टता से और मधुरता से उन्हें उत्तर दे। क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में, और परमेश्वर की महिमा के लिए, और उसकी कलीसिया की उन्नति के लिए माँगते हैं। आमीन।

12 बहुत सी बार ऐसा होता है कि किसी भी चीज के लिए स्वार्थी उद्देश्य, उसके पूरे स्वाद को ही बेकार कर देता है। और अब, इस वचन के बाद प्रश्न पूछे गए हैं।

13 अब, यदि मैं आज रात बस थोड़ा सा फुस–फुस की आवाज़ करता हूं, क्योंकि मैंने एक दांत निकाला है। और मैंने इसे डाला है, और मैं प्रचार नहीं कर सकता, जब मैं प्रचार कर रहा होता हूँ तो धीमा हो जाता हूँ; यदि मैं इसे बाहर निकालता हूं, और मेरे मुंह से लगभग सीटी बजने लगती है।

14 श्रीमती बिली ग्राहम ने उस पर एक कहानी बताई थी, सबसे ज्यादा उत्तेजित बहन ने कभी उसे देखा था, जब उनके पति ने सामने का एक दांत निकाला था। और उसने दांत को गुम कर दिया, और उसे तुरंत एक टेलीविजन कार्यक्रम करना था, और—और वह नहीं कर सका... यह एक प्लेट पर था जिस पर कुछ और पीछे के दांत थे। और जब भी वह बात करता, तो सीटी बजती “सुयी, सुयी” उसके दांत के बीच में से। और उसने कहा कि वह अपने घुटनों पर नीचे था, प्रार्थना कर रहा था और पसीना बह रहा था, टेलीविजन प्रसारण से दस मिनट पहले, और अंत में उन्होंने इसे वहां पाया जहां यह उसके पेन्ट में से उसके जूतों के अंगूठे में गिर गया था। वहां पर काम करने वालो में से एक ने उस नकली दांत को पाया। और श्रीमती ग्राहम ने इसे उस पर बताया, और यहाँ पर। और इसलिए मैंने इसे एक छोटे से कागज़ के टुकड़े में लिया, मुझे लगता है कि मुझे ये यहीं अपनी बाईबल में से मिला।

15 और इसलिए यह एक प्रकार का... जब हम थोड़े बूढ़े और निर्बल हो जाते हैं, आप जानते हैं, और इन्हें खोना पड़ता है, यह इसे खराब बना देता है। और इसलिए मैं... जब मैं भाई रॉबर्सन के साथ बाहर था, और वे,

एक सुबह मैं उस दांत पर ब्रश कर रहा था और उसका एक टुकड़ा टूट गया, और मुझे इस दांत को लगवाने के लिए डॉक्टर के पास ले जाना था। सो प्रभु अपनी आशीषो को जोड़े।

16 अब हम जा रहे हैं, अब, यदि मैं कर सकता हूं तो मैं उनमें से हर एक में से होकर जाने की कोशिश करूंगा। और, भाई टोनी, परमेश्वर के अनुग्रह से, मुझे आपके सपने का अनुवाद मिल गया, और यह अद्भुत था। मुझे इसे देखकर बहुत खुशी हुई। और यह एक अच्छा अनुवाद है, जो मैं सोचता हूं कि मुझे इसे यहाँ सार्वजनिक रूप से नहीं बताना चाहिए, इसलिए मैं इसे आपको निजी तौर पर बताऊंगा यदि आप—यदि आप नहीं... यदि आप इसे इस तरह से चाहते हैं तो। उसने एक रात को मुझसे पूछा, उसने एक सपना देखा था, और मैं उसे नहीं बता सका कि यह ठीक–ठीक क्या था जब तक मैं प्रभु के पास जाकर और उसके लिये प्रार्थना नहीं की। तब प्रभु ने उसे मुझ पर प्रगट किया और मुझे बताया कि उसका अनुवाद क्या है। भाई टोनी, यह अद्भुत है और आपके लिए अच्छी खबर है।

17 अब, पहले प्रश्न में। अब, मैं नहीं जानता हूं कि सबसे पहले कहाँ से आरंभ करूँ, क्योंकि वे सभी अच्छे हैं। लेकिन, अब, हम बहुत अधिक समय नहीं लेने की कोशिश करेंगे, और हो सकता है हम उन्हें रविवार को समाप्त करे, यदि हम उन सभी को नहीं ले पाते हैं।

51. समझाये कि इसका क्या मतलब होता है "सनातन का दंड," जो मत्ती 25:46 में है। "लेकिन... " यही प्रश्न है।

52. उसके बाद, दूसरा प्रश्न: **"लेकिन राज्य के सन्तान अन्धियारे के अंदर डाल दिए जाएंगे," क्या यह बात उन्हें परमेश्वर के मन से निकाल देने के समान ही है?**

18 अच्छा, अब, आपका पहला प्रश्न लेते है, जो संत मत्ती में पाया जाता है, बीस–... 25वां अध्याय। अब हम... अब, मैंने कभी भी इनका अध्ययन नहीं किया है, बस उन्हें वहाँ पीछे देखा, और बस मैंने अपनी पूरी कोशिश की कि मैं उन्हें अच्छे से देखूं जितना मैं—मैं जानता था कि कैसे देखना है। और मेरे... जब हम इसका अध्ययन करते हैं तो आप अपनी बाईबल को मेरे साथ खोले। अब, मैं इसे ग्रीक शब्दकोष से भी निकालना चाहता था, जिससे आपको इसका वो—वो मूल मिल सके। और मैं—मैं इसे पसंद करता हूं। तो फिर हमारे पास यह दोनों में—दोनों में होगा उस—उस ग्रीक

और दूसरे में। और अब ये थोड़ा धीमा होगा—होगा, और अध्ययन करना, क्योंकि मुझे वहां पर जाकर और वचनों को लेना है बस जहां कहीं भी मैं उन्हें पा सकता हूं, और उन्हें उनके स्थान पर ले आना है। तो ठीक है।

19 अब, क्या किसी को बाईबल चाहिए अध्ययन करने लिए? यदि आप चाहते हैं, तो अपना हाथ ऊपर उठाएं। और हम... मैं सोचता हूं कि हमें यहां पीछे तीन या चार हाथ उठे हुए दिखते हैं। यदि आप वचनों से अध्ययन करना चाहते हैं, तो ठीक है। भाई कॉक्स, क्या आप यहां आकर और मुझे इन बाईबल को देंगे? और यह—यह आपके लिए अच्छा है, यदि आप कर सकते हैं, तो... (वहाँ एक है, और आप बस—आप बस आप उन्हें नीचे से ले जाएं यदि आप चाहते है, जो बहुत है)। और जो कोई भी एक चाहता है, बस अपना हाथ ऊपर उठाएं रखे, भाई उन्हें सीधे आपके पास लाएगा, देखो। और हम इनका एक साथ अध्ययन करना चाहते हैं, और बस...

20 अब, इसे पढ़े जाने और अंतिम अध्यायों पर... इब्रानियों की किताब के पहले सात अध्याय। शिक्षा देने के बाद, निश्चिय ही, वह भाई जिसने इन विषयों को लिख कर ले लिया है, भाई मर्सिएर और भाई गोअद, उनके पास यह है और वे अब उन्हें किताब के रूप में छापने की तैयारी कर रहे है। और उनके पास ये है। अब... और हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है जो आधा-अधुरा छानबीन किया हुआ है, हमने बस सतह तक खोदा है। और मैं सोचता हूं कि उन्होंने उनके नाम रखे है... और उन—उन छोटी-छोटी मूल्यवान बातों को लिया... और बस छोटी-छोटी मूल्यवान बातों को पोलिश किया है, इब्रानियों की शिक्षा की बस कुछ छोटी-छोटी मूल्यवान बातें। भाई मर्सिएर उन्हें जल्द ही छपे हुए रूप में लेकर आयेंगे, जो कोई भी उन्हें चाहता है।

21 अब यह यहाँ है, यह लाता है... आप बस इसमें से होकर नहीं जा सकते... सुसमचारक कलीसिया में, जो कि यह एक सुसमचारक कलीसिया है। आप बहुत से लोगों के संदेह और विचारों को जगाए बिना कोई—कोई शिक्षा में से होकर नहीं जा सकते। आपको इसे करना होगा। अब, मैं एक शिक्षक होने से बहुत दूर हूँ, बाईबल का वर्णन करने वाला तो बिल्कुल भी नहीं हूं। लेकिन मैं कभी कुछ भी कहने की—की कोशिश नहीं करता, या यहाँ तक कुछ भी करता हूं, लेकिन पहले—पहले इसके लिए मांगता

हूं और इसके लिए मेरी सबसे अच्छी बात को पता लगाने की कोशिश करता हूं।

22 कल रात को एक प्यारे भाई ने मुझसे यह पूछा था, उसने कहा, “भाई ब्रंहम, भाई सेवार्ड ने एक बार कहा था कि आप—आप बस अपने आप को कहीं भी दबने नहीं दे सकते। देखिए, आपके पास इससे बाहर निकलने या इससे दूर होने का हमेशा कोई न कोई रास्ता होता है।”

23 मैंने कहा, “तो, इसका कारण यह है कि मैं कुछ भी करने से पहले हमेशा सोचने की कोशिश करता हूं। देखा? और फिर यदि लोग मुझसे पूछें तो मैं उन्हें बता सकता हूं कि मेरे विचार क्या थे। देखा? ” लेकिन ऐसा है यदि आप सही सोचते हैं तो। और इससे पहले कि आप कुछ भी करें, उस पक्ष को लेने का प्रयास करे है जो परमेश्वर आपसे चाहता है कि ले, तब इसे नीचे दबाना वास्तव में मुश्किल होगा।

24 आप उस समय की कल्पना नहीं कर सकते कि—कि आहाब ने एलिय्याह को नीचा दिखाने की कोशिश की। क्या आप उस समय की कल्पना कर सकते हैं जब फरीसियों ने यीशु के बात को पकड़ने की कोशिश की? देखिये, उसने—उसने तुरंत ही उत्तर दिया था, क्योंकि उसने जो कुछ भी किया, उसने इसे परमेश्वर की इच्छा से किया, और उसने... इसी तरह से वो—वो इसे ले सकता था। अब, इसी तरह से हम इसे चाहते हैं।

अब प्रश्न पूछा गया है, हम सवाल को रखेंगे:

स्पष्ट कीजिए इसका क्या अर्थ है “सनातन दंड,” मत्ती 25:46 में।

25 अब जरा ध्यान से सुनिए। अब हर एक जन, मत्ती 25:46:

और ये लोग सनातन के दण्ड को भोगेंगे:...

26 अब, सवाल यह है, “क्या... समझाए... ” अब *सनातन* शब्द उस शब्द से आता है “हमेशा और हमेशा के लिए,” और *हमेशा* के लिए “समय की एक अवधी होती है।” इसका केवल अर्थ होता है “इतना−इतना समय,” *हमेशा* की नाई। अब यदि आप पढ़ेंगे... मैं नहीं जानता कि प्रश्न किसने लिखे हैं, क्योंकि किसी ने उन पर अपना नाम नहीं लिखा; इसे नहीं लिखना था, मैं उन्हें नहीं चाहता, देखो।

लेकिन *ये लोग सनातन के दण्ड को भोगेंगे:...* (अब देखो, यही दुष्ट है।)

27 अब प्रिय—प्रिय लोग जिसने सवाल पूछा है, बस इसका बाकी का पढ़ेंगे:

... *परन्तु धर्मी अनन्त जीवन* में *प्रवेश करेंगे।*

28 दुष्ट लोग सनातन दण्ड भोगेंगे (समय की एक निश्चित अवधि), में प्रवेश करेंगे लेकिन धर्मी के पास अनंत जीवन होता है। आपको कभी भी अनंत दंड नहीं मिलेगा, नहीं हो सकता। देखो, यदि उन्हें अनंत दण्ड मिला है, तो उनके पास अनंत जीवन होना है; यदि उनके पास अनंत जीवन है, फिर तो वे बचाए गए हैं। देखिए, ऐसा नहीं हो सकता। अब यदि आप देखेंगे, वो—वो सवाल खुद से पूछा... स्वयं उत्तर देता है। देखा?

और ये...

अब देखो, मैं यहाँ से पहले लूँगा:

... और *वे...*

29 20वें में... 44वां पद:

... और *उन्होंने भी* उत्तर दिया, उस से कहा, *प्रभु,* हमने *कब* भूखा, और कब प्यासा रखा, या *परदेशी, या नंगा,...* या *बन्दीगृह में देखा, और तेरी सेवा टहल न की?*

तब वह—तब वह उन्हें उत्तर देगा, मैं तुम से सच कहता हूं, यहां तक *कि तुम ने जो इन... छोटे से छोटों में से किसी एक के साथ नहीं किया,* उसने... *इसे मेरे लिए किया।*

और ये लोग सनातन में (सनातन) *दण्ड भोगेंगे:* (यही वो दुष्ट है)... *परन्तु धर्मी* अनन्त जीवन *में प्रवेश करते हैं।*

30 फर्क को देखा? दुष्टों का दण्ड सनातन का है, लेकिन *सनातन* दण्ड "समय की एक अवधि है।" अब, यदि ये वही होता, तो ये लिखा हुआ होता, "और ये सनातन में दण्ड भोगेंगे, और वे दूसरे अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे।" देखा? या, "वे अनन्त दण्ड को भोगेंगे, और वे दूसरे अनन्त जीवन में जायेंगे।" देखो, यदि कोई अनंत दंड है, तो हमेशा–हमेशा के लिए दंड दिया जाएगा, तब तो वहां एक अनंत... उसके पास अनन्त जीवन है; और केवल एक अनन्त जीवन है, और वह परमेश्वर की ओर से आता है।

हर एक चीज जो बिना शुरुआत की है उसका कोई अंत नहीं होता, हर एक चीज जिसकी शुरुआत है उसका अंत होता है। समझे मैं क्या बताना चाहता हूँ?

31 अब, वचन स्वयं ही उस—उस प्रिय व्यक्ति का उत्तर देता है... अब यदि आप इसे शब्दकोष में से लेंगे, *"और ये के अंदर डाले जाये, काटते हुए, और सना–... और आग में, झील के अंदर चले जाएंगे।"* अब, शब्द *ए–आई–एन–आई–ओ–एन* आइनिअन का अर्थ होता है "दंड की एक अवधि।" यूनानी शब्दकोष में, ठीक यहाँ, "दंड की अवधि," या, "दंड का समय," है। देखो, "वे दण्ड के समय के अंदर चले जायेंगे।" शब्द का प्रयोग किया जाता है, ए–आई–एन–आई–ओ–एन, *आइनिअन* जिसका अर्थ है "समय, एक समय, एक सीमित समय।" फिर इसे यहाँ अनुवाद में वापस अंदर—अंदर ले जाते है, अंग्रेजी, में *सनातन* होता है "एक सीमित समय।" देखो, यह ग्रीक से आता है, "समय की एक सीमा।" वो शब्द *आइनिअन*, या *ए–आई–एन–आई–ओ–एन, आइनिअन* का अर्थ है "दंड का एक सीमित समय।"

32 लेकिन फिर दूसरों को पढ़ते है, "लेकिन ये अनन्तता में जाएंगे।" यही एक भिन्नता है। देखो, अनन्त जीवन। *अनंतता* ये "अनंतकाल," शब्द से आता है और अनंतकाल का न तो आदि था और न ही अंत। यह हमेशा *और* हमेशा के लिए है। अब यह इसका उत्तर होना चाहिए, देखिए, क्योंकि यदि आप वचन को ध्यान से पढ़ेंगे, तो आप देखेंगे।

33 *"और यह लोग सनातन के अंदर दण्ड भोगेंगे, परन्तु धर्मी जन... "* दुष्ट लोग सनातन के अंदर दण्ड भोगेंगे, कुछ समय की अवधि के लिए दण्ड पाएंगे; हो सकता है एक अरब वर्ष, मैं नहीं जानता, लेकिन आपको निश्चित रूप से आपके पापों के लिए दंडित किया जाएगा। लेकिन जैसा कि निश्चित है कि पाप की शुरुआत थी, पाप का अंत भी है। दंड की शुरुआत थी, और दंड का एक अंत है। और नरक शैतान और उसके दूतों के लिए बनाया गया था। देखा? तो ठीक है। अब, मेरे पास इसका उत्तर देने के लिए यहां एक और प्रश्न है, बस कुछ ही मिनटों में, जो एक सुंदर है, इसमें जुड़ता है।

अब, लेकिन ये यहाँ: **"लेकिन राज्य की सन्तान अंधकार के अंदर डाली जाएंगे," क्या यह उन्हें परमेश्वर के मन से निकाल देने के**

समान ही है?

34 नहीं, यह एक समान नहीं होगा। अब, आप यहाँ विवाह भोज की बात कर रहे हैं। अब, "और राज्य की संतान," जैसा कि यहां पूछा गया था। राज्य के सन्तान यहूदी हैं, और उन्हें बाहरी अन्धकार में डाल दिया गया था। और उन्हें—उन्हें बाहरी अंधकार में डाल दिया गया है, और वे रोने और विलाप करने और दांत पीसने के समय में से होकर गुजरते हैं। उन्हें बाहरी अंधकार में डाल दिया गया था क्योंकि यह आपको और मुझे पश्चाताप करने का समय देगा, लेकिन वे परमेश्वर के मन से कभी निकाले नहीं गए। वो इस्राएल को कभी नहीं भूलेगा। और इस्राएल को, जैसा कि बाईबल का कोई भी पढ़ने वाला जानता है, कहा जाता है "राज्य की संतान।" देखो, यह राज्य है, प्रतिज्ञा है। दूसरे शब्दों में, परमेश्वर राष्ट्र के साथ व्यवहार करता है, जब उसने इस्राएल से व्यवहार किया, जो कि राज्य की सन्तान है।

35 अब, आपको याद है, उसने वहां कहा, "और अब्राहम और इसहाक और याकूब," एक जगह पर, "अंत समय में आएंगे और राज्य में स्थापित हों जायेंगे।" देखो, और अब्राहम, इसहाक, और याकूब राज्य में होंगे; वे थे, वे लोगों को आशीष देने वाले राज्य थे। लेकिन राज्य की सन्तान बाहर अंधकार में डाल दिए जाएंगे।

36 अब, जहां उल्लेख की बात आती है यहां वो—वो दूल्हा है। जब दूल्हा आता है, जबकि वे... पाँच कुँवारियां प्रभु से भेंट करने के लिए निकलीं, और—और उन्होंने अपने दीये में तेल नही लिया। और उन—उन अन्य पाँच ने अपने दीये में तेल लिया। अब, यदि आप ध्यान देंगे, तो यह एक सुंदर तस्वीर है, यहूदी और अन्यजाति दोनों के साथ, अस्वीकृत के नाई। इसे मन में रखे, वहां हर समय तीन वर्ग के लोग होते हैं: यहूदी, अन्यजाति (जो औपचारिक रूप से है), ... ; यहूदी, अन्यजाति, और कलीसिया। यदि आप उन्हें मिला देते हैं, तो तो आप निश्चित रूप से उलझन में पड़ जाएंगे जब आप प्रकाशितवाक्य पर पहुँचेंगे। यदि आप नहीं...

37 जैसे श्रीमान बोहनोन ने मुझसे एक बार कहा, कहा, "बिली, कोई भी प्रकाशितवाक्य को पढ़ने की कोशिश करेगा तो उसे बुरे सपने आएंगे। क्यों," उसने कहा, "यहाँ नीचे धरती पर एक दुल्हन है, और वो—और वो अजगर उसके साथ युद्ध करने के लिये अपने मुंह से तेजी से पानी बहाता है।" और

कहा, “फिर उसी समय जब दुल्हन खड़ी होती है एक लाख चौवालीस हजार के जैसे” (यहोवा विटनेस की शिक्षा) “सिनय पर्वत पर। और उसी समय दुल्हन स्वर्ग में होती है।” नहीं, नहीं, आप गलत हो।

38 वहां तीन वर्ग के लोग हैं। देखो, जो कि, अस्वीकृत किए गए यहूदी, और वहाँ सोई हुई कुंवारी है जो कि पानी... यह स्त्री का बीज नहीं है, यह स्त्री के बीज का अवशेष है जो अजगर ने उसके मुंह से तेजी से पानी बहाया... प्रकाशितवाक्य 11। और फिर, असल में, एक लाख चौवालीस हजार यहूदी बिल्कुल भी दुल्हन नहीं थे, वे यहूदी कलीसिया के बचे हुए लोग हैं। और यहोवा विटनेस की शिक्षा जो उन्हें दुल्हन के रूप में रखती है, मैं नहीं देखता कि आप ऐसा कैसे कर सकते हैं, क्योंकि, यह दुल्हन नहीं है।

39 यदि आप वहाँ प्रकाशितवाक्य में ध्यान देंगे, तो इसने कहा, “और वे कुंवारियां हैं।” और ये दास हैं। और एक दास क्या होता था? वे... दास मंदिर के पहरेदार होते थे जो रानी की रखवाली करते थे, क्योंकि वे... हो–... वे पुरुष थे जिन्हें जीवाणुरहित बना दिया गया था। वे... क्या आपने ध्यान दिया, कहा, “उन्होंने स्त्रियों के साथ अपने आप को अशुद्ध नहीं किया था”? वे मंदिर के दास थे। और यह एक चुनी हुई संख्या के लोग थे जिसे परमेश्वर ने यहूदियों में से चुने हुओं में से लिया था। अब, यदि आप ध्यान देंगे... यदि हम उसे बस कुछ समय में ले सके, सो यह आपके मन में एक तरह से बस जाएगा, जहां आप वास्तव में कर सकते हैं...

40 आइए हम प्रकाशितवाक्य लें, 7वाँ अध्याय, और हम अब यहां पर देखेंगे, कहां... इसने क्या कहा। यह एक सुंदर चीज है:

> *और इसके बाद... मैंने पृथ्वी के चारों कोनों पर चार स्वर्गदूत खड़े देखे,...* (अब, यह यहेजकेल 9 के समानांतर है, जहां उसने यहूदियों के विनाश को देखा। और यहाँ वो अन्यजातियों के विनाश को देखता है, प्रकाशितवाक्य, 7वां अध्याय) ... और *मैंने पृथ्वी के चारों कोनों पर चार दूत खड़े देखे, वे पृथ्वी की चारों हवाओं को थामे हुए थे* (*हवाओं* का अर्थ है “युद्ध और लड़ाई”) *... ताकि* हवा *पृथ्वी, या समुद्र पर,...* या किसी पेड़ *पर न चले।* (और यह वो युद्ध है, “वे थामे हुए थे”)

41 ओह, यदि हमारे पास इस प्रश्न पर विस्तार से जाने का समय होता था। ऐसा घटित हुआ... यही है जहाँ रसेल उलझ गया। रसेल ने इसे आते

हुए देखकर भविष्यवाणी की। उसने भविष्यवाणी की "यह प्रभु यीशु का आगमन होगा," नहीं जानते हुए कि यह—यह कलीसिया का मोहरबंद होना था। देखा?

42 और वे सोचते हैं कि किस तरह विश्व युद्ध... प्रथम विश्व युद्ध। देखो, ये नवंबर की ग्यारह तारीख को, दिन के ग्यारह बजे रुक गया; ग्यारहवें महीने, ग्यारहवें दिन और ग्यारहवें घंटे में। और उसके तुरंत बाद ही, यीशु के नाम में पानी का बपतिस्मा प्रकट किया गया था और कलीसिया के लिए पवित्र आत्मा का बपतिस्मा। बिल्कुल ठीक, उसके तुरंत बाद।

43 यदि आप इसे प्रकाशितवाक्य में लेते हैं, हमने किस तरह से इसे एक साथ जोड़ा, और फिलेदेल्फ़ियाई और लौदीकीयन युग के बीच। और मेथोडिस्टों के पास फिलेदेल्फ़ियाई युग था, भाईचारे का प्रेम। और अंतिम युग, कलीसियायी युग का, लौदीकिया युग था, जो गुनगुना युग था। और उसने वहां कहा, "मैंने तुम्हारे सामने एक द्वार (खुला द्वार) रखा है।" एक खुला द्वार! और यदि आप उन वचनों को वापस देखेंगे, तो यह सारे सन्देश को ठीक एक स्थान के अंदर जोड़ देगा, ताकि आपको बिल्कुल सहीं रूप से दिखा सके।

44 देखो! यहाँ पर जो हर एक चीज थी पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा, बपतिस्मा में, (जो हमें इसमें सीधे लेकर जाता है) जो पूर्ण रूप से एक कैथोलिक का मत सिद्धांत था और ये कभी भी एक मसीही सिद्धांत नहीं था। नहीं, श्रीमान। मैं केवल... हमने आज रात इसे ठीक यहाँ लिया हैं, इसके अंदर आने के लिए; शब्दकोष के साथ भी। देखा? हाँ, श्रीमान, और इतिहास के साथ भी। बाईबल में कभी भी किसी ने इस तरह बपतिस्मा नहीं लिया था, या ना ही बाईबल के बाद पहले के छह सौ वर्षों में। और मैं इसे ठीक यहाँ कैथोलिक के अपने खुद के सिद्धांत से साबित कर सकता हूँ, कि वे ही हैं जिन्होंने इसे आरंभ किया था, और छिड़काव करना और जल डालना।

45 वे वहाँ से निकलकर वेस्लीयन कलीसिया के अंदर आये, और वहां से मेथोडिस्ट कलीसिया में आये, मेथोडिस्ट इसे बैपटिस्ट के पास लेकर आया, बैपटिस्ट इसे आगे लेकर आया, और यह अब भी एक झूठी शिक्षा है! और बाईबल में वापस आकर और आपको साबित कर सकता हूं कि बाईबल ऐसा कहती है "तुम्हारे पास एक नाम है जिसमें तुम जीते हैं, लेकिन तुम मरे हुए हो।" यह बिल्कुल सही है। और उनके पास था...

46 मैं प्रमाणित कर सकता हूं कि बाईबल सिखाती है कि वे अंधकार युग आने तक बपतिस्मा में उसके नाम का उपयोग करेंगे, उस—उस चौथे युग के अनुसार... उस—उस कलीसियायी युग के, पिरगमुन कलीसिया युग। और उसने उसमें कहा, उस पंद्रह सौ वर्षों के अंधकार युग के दौरान, हर एक ने कहा, "तुम्हारे पास थोड़ा सा उजियाला बचा है, क्योंकि तुमने मेरे नाम का इंकार नहीं किया है।"

47 जब उस दूसरे युग की बात आती है, कैथोलिक युग, उसने कहा, "तुम्हारे पास एक नाम है जिसमें तुम 'जीते,' हो लेकिन तुम मरे हुए हो! और तुमने मेरे नाम का इंकार किया है।" वहां आप हैं। समझे? यह सब बस एक बड़ी सुंदर तस्वीर को एक साथ जोड़ता है, पूरी बाईबल को।

48 अब इस पर ध्यान दें:

> *... चारों हवाओं को थामे हुए थे...*
>
> *और मैंने एक और स्वर्गदूत को जीवित परमेश्वर की मोहर लिए हुए स्वर्ग से ऊपर की ओर जाते देखा:...* (वो मोहर)

49 अब, जीवित परमेश्वर की मोहर क्या है? अब, आप एडवेंट भाई लोग कहेंगे, "सब्त के दिन को मानना।" मैं चाहता हूं कि आप मुझे यह वचन में से दिखाएं। यह वहाँ नहीं है। एक स्थान नहीं में भी नही... मोहर है—है...

50 यदि आप इफिसियों 4:30 को पढ़ेंगे, जल्दी से, आप जान जाएंगे कि जीवित परमेश्वर की मोहर क्या है। इफिसियों 4:30 कहता है, "परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो जिससे तुम पर तुम्हारे छुटकारे के दिन तक मोहर की गयी है।" ना ही अगली बेदारी तक, लेकिन अनंतता की सुरक्षा मिली है (उह–हुंह)। "परमेश्वर की पवित्र आत्मा को शोकित न करो जिससे तुम्हें तुम्हारे छुटकारे के दिन तक मोहरबंद किया गया है।" देखें कि क्या इफिसियों 4:30 ऐसा नहीं कहता, फिर अपने बाईबल के किनारे पर लिखा हुआ है उसे लें और इसे लेकर बाकी वहां के वचनों में से होते हुए जाए, और पता करें। अब, "तुम्हारे छुटकारे के दिन तक मोहरबंद। जीवित परमेश्वर की मोहर होना।"

51 अब, याद रखें, प्रथम विश्व युद्ध के बाद तक पवित्र आत्मा को पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के रूप में नहीं सिखाया गया था। हमने अभी हमारी—हमारी स्वर्ण जयंती को मनाया है, चालीस वर्ष, या जुबली का चालीसवां वर्ष।

... उस ने उन चारों स्वर्गदूतों से जिन्हें पृथ्वी और समुद्र की हानि करने का अधिकार दिया गया था, ऊंचे शब्द से पुकार कर कहा,

कहा, जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के माथे पर मोहर न लगा दें, तब तक *पृथ्वी और समुद्र* और पेड़ों *को हानि न पहुंचाना...* (अब आप अपने प्रश्न पर आ रहे हैं, *"वो संतान,"* देखो)... *हमारे परमेश्वर के दासों के* माथे *पर।* (हानि नही करना, पृथ्वी को नष्ट नहीं करना, परमाणु बम को फटने ना देना, जब तक हमारे परमेश्वर के *दासों* पर मोहर न लगे तब तक बात पूरी न होने देना)

52 अब, यदि हम उसे पीछे लेकर और वापस वहाँ इसमें से होकर जा सकते, किस तरह से यहाँ तक उस—उस *विश्व युद्ध के पतन* पर, इस किताब के दूसरे भाग में, जब जनरल एलेनबी ने तब तक संघर्ष किया जब तक कि वह यरुशलेम की सीमा तक नहीं पहुंच गया, और उसने तब इंग्लैंड के राजा को वापस तार भेजा, और कहा, "मैं शहर की पवित्रता के कारण उस पर आग को नहीं लगाना चाहता।" उसने कहा, "मैं क्या करूँ? "

53 उसने कहा, "प्रार्थना करो।"

54 और वह फिर से उसके ऊपर से उड़ने लगा, और जब उन्होंने ऐसा किया, तो उन्होंने कहा, "एलेनबी आ रहा है।" और वहां पर मुसलमान लोग थे, सोचा उसने कहा, "अल्लाह आ रहा है।" और उन्होंने सफेद झंडा फहराया और आत्मसमर्पण कर दिया और एलेनबी ने यरूशलेम में कूच किया और बिना एक गोली चलाए इसे कब्जा कर लिया, भविष्यवाणियों के अनुसार, यह सही बात है, और इसे यहूदियों को वापस कर दिया।

55 तब उन्होंने एक हिटलर को खड़ा किया ताकि यहूदियों को, और पूरी दुनिया में सताया जा सके, और उन्हें वापस वहीं भेज दिया जाए।

56 और बाईबल ने कहा कि वह ऐसा करेगा "उन्हें उकाब के पंखों पर वापस लेकर आएगा।" और जब उन्होंने वापस आना आरंभ किया... उस *लाइफ* पत्रिका और उन्होंने इसे कुछ हफ़्ते पहले छापा था, जहाँ से वे उन्हें हज़ारों की संख्या में वापस यरूशलेम ले आए, और वे उन बूढ़े लोगों को पीठ पर लादकर ले जाने लगे। उनका इंटरव्यू या साक्षात्कार लिया गया। मैंने इस सब को सिनेमा की रील और तस्वीरों में देखा है। और

उसनें कहा... वहाँ दाऊद का चार कोनो वाले तारों का झण्डा टंगा हुआ था; जो दुनिया का सबसे पुराना झंडा है, जिसे पहली बार दो हजार वर्ष में फहराया गया।

57 यीशु ने कहा, “जब अंजीर के पेड़ में कोंपल लगेगी, तब यह पीढ़ी जाती न रहेगी।”

58 और यहाँ वे अपने बूढ़ों को भीतर ला रहे थे, और कहा, “क्या? क्या तुम मातृभूमि में मरने के लिए वापस आ रहे हो? ”

59 कहा, “नहीं, हम मसीहा को देखने के लिए आए हैं।”

60 और, भाई, मैं आपसे कहता हूँ, हम द्वार पर हैं! वहाँ पर वे हैं, वे जो वहां पर प्रतीक्षा कर रहे हैं। ना ही ये यहूदियों का झुंड जो धोखा देकर आपके झूठे दाँत को भी निकाल दें यदि वे कर सकते है, ये लोग यहूदी नहीं है जिसके बारे में वो बात कर रहा है। लेकिन ये वहां उस ओर वे लोग हैं जिन्होंने उस—उस व्यवस्था और बातों का पालन किया है, और यहाँ तक यह जानते भी नहीं कि एक मसीहा था।

61 और भाई... स्टॉकहोम में, भाई पेट्रस ने उन्हें एक लाख नए नियम के किताब भेजे, और जब उन्हें यह मिले तो वे उन्हें पढ़ रहे थे। उन्होंने कहा, “ठीक है, यदि यह मसीहा है, तो आओ हम उसे भविष्यव्यक्ता के चिन्ह को करते हुए देखें, और हम उस पर विश्वास करेंगे।”

62 मेरी सेवकाई के लिए क्या ही व्यवस्था है! मैं दो घंटे के भीतर ही यरूशलेम के फाटकों पर था, अंदर जा रहा था, और मैं मिस्र के काहिरा में था। और मैं वहां पर चल रहा था, और पवित्र आत्मा ने कहा, “अभी मत जाओ।”

63 मैंने सोचा, “यह मेरी बस कल्पना ही थी। मेरा टिकट निकल चूकी है, मैं अपने मार्ग पर हूं। वह व्यक्ति मुझसे मिलने के लिए बाहर है, पूरा झुण्ड, स्कूल और इत्यादि के लोग।”

64 मैं थोडा सा आगे बढ़ा, और आत्मा ने कहा, “मत जाना! तुम मत जाना।”

65 मैं वापस टिकट के एजेंट के पास गया, मैंने कहा, “मैं इस टिकट को रद्द करना चाहता हूं। मैं एथेंस, ग्रीस, मार्स हिल की ओर जाना चाहता हूं।

66 और उसने कहा, "ठीक है, आपकी टिकट तो यरूशलेम के लिए बता रही है, श्रीमान।"

67 मैंने कहा, "मैं यरूशलेम जाने के बजाये एथेंस जाना चाहता हूँ।" पवित्र आत्मा रुका हुआ है, वह घड़ी अभी तक नहीं आई है। यह बस सही घड़ी नहीं है।

68 देखो:

> *... जब तक हम अपने परमेश्वर के दासों के* माथे *पर मोहर न लगा दें,*
>
> *कहते हुए, हानि न पहुंचाना,... जब तक हम... परमेश्वर के दासों के* माथे *पर मोहर न लगा दें।* (हर कोई जानता है कि यह पवित्र आत्मा की मोहर है; देखें)
>
> *और जिन पर मोहर दी गई मैं ने उन की गिनती सुनी:...* (अब, यदि वे यहूदी नहीं हैं, इसे देखें) *... कि इस्त्राएल की सन्तानों के* सब *गोत्रों में से एक लाख* चौवालीस *हजार पर मोहर दी गई।* (उनमें अन्यजाति नहीं है। यह अंत समय पर है)

69 देखो! यहूदा के गोत्र के बारह हजार; रूबेन के गोत्र के बारह हजार; और आगे गाद के बारह हजार; नेप्थालिम, और—और—और वहां से आशेर तक, और—और जबूलून, और ये सारे इस्राएल के बारह गोत्र। और बारह गुणा बारह कितने होते है? एक लाख चौवालीस हजार। वहाँ एक लाख चौवालीस हज़ार यहूदी हैं! ना ही अन्यजाति, यहूदी! इसका दुल्हन से कोई लेना-देना नहीं है। तो यहोवा विटनेस उनकी शिक्षा पर गलत है। बाईबल स्पष्ट रूप से कहता है कि वे "यहूदी," है और अन्यजाति नहीं है। वे परमेश्वर के दास हैं, और अन्यजातियों को कभी भी दास नहीं माना गया। हम बेटे और बेटियां हैं, दास नहीं।

70 अब इसका बाकी का भाग पढ़ेंगे। जैसे तरबूज खाने वाले आदमी, कहता है, "यह अच्छा है, लेकिन आओ हम इसमें से कुछ और भी खाए।" तो ठीक है, यहाँ परमेश्वर के पास इसमें बहुत कुछ है। अब, ध्यान दें। अब, अभी हम 8वें पद पर हैं:

> और *जबूलून के गोत्र को... बारह हजार को* मोहर। *यूसुफ के* सारे *गोत्र पर बारह हजार पर मोहर कर दी गई थी। बिन्यामीन के गोत्र में से बारह हजार पर* मोहर *कर दी गई थी।*

71 देखो, यूहन्ना ने यहूदी होने पर, उन में से हर एक को पहचान लिया, और उसने इस्राएल के बारह गोत्रों को देखा; प्रत्येक गोत्र में से बारह हजार, बारह गुणा बारह अर्थात एक लाख चौवालीस हजार होता है। वहां पर वे हैं, ना ही कलीसिया, वे यहूदी। बाईबल ने यहां कहा, वे सारे "इस्राएल की संतान, " है प्रत्येक गोत्र का नाम।

72 अब देखो, 9वां पद:

> *इसके बाद* (अब यहाँ पर दुल्हन आती है)...
>
> *इस के बाद मैं ने दृष्टि की,... एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता,...*

73 वहां आपके मंदिर के दास हैं, वे बस एक लाख चौवालीस हजार हैं, बस एक छोटा सा स्थान है, बस छोटे से मंदिर के पहरेदार जो दुल्हन के साथ होने जा रहे हैं; केवल उसके—केवल उसके अनुरक्षण। यही एक लाख चौवालीस हजार है, दुल्हन के अनुरक्षण है; मंदिर के दास।

74 देखो! यकीनन, मैं जानता हूँ कि आप यहां 14 पर वापस जाएंगे, और कहेंगे, "क्यों, वे दुल्हन के साथ होते हैं जहाँ कहीं भी वे... " बिल्कुल! रानी जहां भी जाती थी दास या पहरेदार उसके साथ यात्रा करते थे। ये सच बात है! लेकिन वे क्या थे? वे अनुरक्षक के अलावा और कुछ नहीं थे, और ठीक यही है वचन यहाँ ऐसा होने की घोषणा करता है।

75 ध्यान देना:

> और *इस के बाद... और मैंने दृष्टि की, एक ऐसी बड़ी भीड़, जिसे कोई गिन नहीं सकता, हर एक जाति,... और कुल,... और लोग और* भाषा में से,... (वहाँ आपकी अन्यजाति दुल्हन आ रही है, तो ठीक है) ... ये *मेम्ने के साम्हने खड़ी... है,* (वहाँ उनका उद्धारकर्ता है, वो मेम्ना, ना ही व्यवस्था; मेम्ना, अनुग्रह) ... *श्वेत वस्त्र पहिने हुए,...* (देखो, कुछ ही मिनटों में, देखो क्या वो सफेद वस्त्र संत की धार्मिकता नहीं है)... *और उनके हाथ में हथेलियों में;*
>
> *और* वे *बडी ऊँची आवाज से पुकार कर कहती है,...* (क्या यह पेंटीकोस्टल बेदारी नहीं है, मैंने ऐसी कभी भी नहीं सुनी)...

कहते हुए, कि उद्धार के लिये हमारे परमेश्वर का जो सिंहासन पर बैठा है और मेम्ने का जयजयकार हो।

और सारे दूत, उस सिंहासन के चारों *ओर खड़े थे, और प्राचीन और चार प्राणी,... वे गिर पड़े... वे सिंहासन के साम्हने मुंह के बल गिर पड़े, और परमेश्वर को दण्डवत् किया,*

कहते हुए, आमीन: आशीष,... महिमा,... ज्ञान,... धन्यवाद,... आदर,... शक्ति, सामर्थ, *हमारे परमेश्वर की युगानुयुग के लिए हों। आमीन।*

76 यह तंबू की सभा के समय जैसा दिखाई पड़ता है, क्या ऐसा नहीं लगता है? होने जा रही है! यह कौन था? एक लाख चौवालीस हजार? बिल्कुल भी नहीं! यह बड़ी संख्या है कि कोई भी मनुष्य नहीं... सारे जातियों, भाषाओं और राष्ट्रों की। क्या आप नहीं देख सकते, मेरे प्रिय मित्र?

77 अब देखो, अब इसे पढेंगे। अब:

और इस पर प्राचीनों में से एक ने मुझ से कहा, ये क्या हैं और... *ये श्वेत वस्त्र पहिने हुए कौन हैं? और कहां से* आते *हैं?*

78 प्राचीन ने यूहन्ना से कहा, जो एक यहूदी था और एक लाख चौवालीस हजार को पहचानता था, कहा, "अब, तुम उन्हें जानते हो, वे सभी यहूदी हैं। लेकिन ये कौन हैं? वे कहाँ से आए हैं?" देखो प्राचीन ने क्या कहा? "एक प्राचीन ने उत्तर दिया," (यही जो सिंहासन के सामने प्राचीन हैं) "मुझे उत्तर दिया, कहते हुए, 'ये कौन हैं जो श्वेत वस्त्र पहिने हुए हैं? और वे कहाँ से आते हैं? अब, हम सभी यहूदियों और उनकी वाचा और आदि को जानते हैं, लेकिन ये कब आए?'" अब देखो:

और मैं ने उस से कहा, स्वामी, तू ही जानता है। ("मैं—मैं—मैं नहीं जानता," यूहन्ना ने कहा, "यह अभी मेरे सामने बीत कर गया है। मैं नहीं जानता।") *और उस ने मुझ से कहा, ये वे हैं* जो *उस बड़े* महासंकट *में से निकल कर आए हैं,* ("परीक्षाओं और इन बहुत से खतरों, कठिनाइयों और फंदों में से होते हुए, मैं निकल कर आया हूँ।" देखा?) ... ये *बड़े* महासंकट *में से निकलकर* आए हैं, *और इन्होंने उनके वस्त्र धो लिए हैं,...* (कलीसिया में? क्या यह सही दिखाई पड़ता है?) ... *इन्होंने उनके वस्त्र को मेम्ने के लहू में धो कर श्वेत किए हैं।*

... वे *परमेश्वर के सिंहासन के साम्हने हैं, और दिन और रात उसकी सेवा करते हैं...* (कौन मेरे घर में मेरी सेवा करता है? मेरी पत्नी। क्या यह सही है?)... और *उसके मंदिर में:...* (जो मेरे घर में और मेरी अर्थव्यवस्था में मेरे साथ बनी रहती है, वो मेरी पत्नी है। वही है जो मेरे साथ बैठती है, और मेरे कपड़े धोती है, और मेरे लिये चीजों को तैयार रखती है) *... और वो जो सिंहासन पर* बैठता है *वह उनके बीच में वास करेगा।* (ओह, प्रभु, सुनना!)

और *वे फिर भूखे न होंगे,...* (ऐसा दिखाई देता है जैसे वे साथ आने वाले कुछ भोजन से चूक गए हों) ... *ना* ही वे *फिर कभी प्यासे होंगे; और* न *उन पर अब और धूप पड़ेगी,* और न *कोई तपन।*

क्योंकि मेम्ना जो सिंहासन के बीच में है उन की रखवाली करेगा, और उन्हें जीवन रूपी जल *के सोतों के पास ले जाया करेगा: और परमेश्वर... उन की* आंखों *से सब आंसू पोंछ डालेगा।* (वहाँ है वह, वहाँ आपकी दुल्हन है)

79 वहां आपके एक लाख चौवालीस हजार हैं, जो आपके दास हैं। सो "राज्य की संतान" यहाँ है, प्रिय व्यक्ति, जिसने प्रश्न को पूछा है, यह एक... जिसने इस महत्वपूर्ण प्रश्न को पूछा। मैं सोचता हूं कि मैंने शायद इसे यहाँ पीछे छोड़ दिया है... कहीं तो, लेकिन "जब उन्हें बाहर निकाल दिया जाएगा," इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें परमेश्वर के मन से निकाल दिया जाएगा। उन्हें कुछ समय के लिए आत्मिक लाभ से बाहर कर दिया जाता है। देखिए, बस छोटे से ऋतु के लिए।

80 क्योंकि, जब भविष्यव्यक्ता ने इस दिन इस्राएल को देखा कि वह उसके पास आ रही है, तो उसने कहा, "अच्छा, क्या तब इस्राएल होगा जब सब्त के दिन को उठा लिया जाएगा, और—और वे सब्त के दिन में बेचते थे उसी तरह से जैसे बाकी दिनों में, और यह ये सारी चीजे?" उसने कहा, "ठीक है, क्या आप—क्या आप कभी... क्या इस्राएल को पूरी तरह से भुला दिया जाएगा?"

81 उसने कहा, "यह आकाश से कितना ऊंचा है? धरती कितनी गहरी है? इसे इस छड़ी के साथ नापना जो तुम्हारे सामने रखी हुई है।"

उसने कहा, "मैं नहीं कर सकता!"

82 उसने कहा, “न ही मैं इस्राइल को कभी भूल सकता हूं।” बिल्कुल भी नहीं! इस्राएल को कभी भी नहीं भुलाया जायेगा।

83 तो, आप देखो, *सनातन* और *अनंत* दो अलग–अलग चीजें हैं। इस्राएल को निकाल दिया गया था, लेकिन परमेश्वर के मन से नहीं। और पौलुस इसे यहाँ पर बोलता है, यदि मेरे पास... अध्ययन करने का समय होता था, कि मैं जल्दी से वचन को ले पाता... मैं उन्हें आपके लिए बता सकता, देखिए, जो मेरे मन में आता है।

84 पौलुस वहाँ पर बोलता है, कहा कि हम अन्यजातियों के लिए यह ध्यान रखें, कि हम जिस तरह से चले है और हमने जो किया हैं। समझे? क्योंकि यदि परमेश्वर ने पहली डाली को न छोडा, तो देखो, और हम तो अभी इसमें साटे गए हैं, देखो,... और इस्राएल, जो कुछ समय के लिए अन्धा था, उस ने कहा। बस एक ऋतु के लिए, इस्राएल को अंधा कर दिया गया था। यह सही बात है, लेकिन उनकी आंखों से पर्दा उठ जाएगा। और यह तब होता है कि जब अंतिम अन्यजाति परमेश्वर के राज्य में जन्म लेता है, तब इस्राएल की आंखों से उनका पर्दा उठ जाता है। और वे कहेंगे, “यह वो मसीहा है जिसके लिए हमने राह देखी थी।” यह सही है, लेकिन अन्यजातियों का द्वार बंद है (सन्दूक बंद है—है), उस समय पर अन्यजातियों के लिए अब और अनुग्रह नहीं—नहीं बचता है।

85 अब, मैं एक प्रश्न पर बहुत सा समय लेता हूँ। और कोई तो कहेगा, “अब आप मेरे प्रश्न तक नहीं पहुंचेंगे।” ठीक है, हम जल्दी करेंगे और देखेंगे कि क्या हम इसे ले नहीं सकते हैं।

86 तो ठीक है, यहाँ एक—एक लंबा प्रश्न है। और इसका हर एक अंश महिला ने पूछा है या पुरुष ने पूछा है, या जो भी हो, ये सही है।

53. **क्या यह सच नहीं है कि प्रभु यीशु पूरी दुनिया के लिए नहीं मरा, इसका मतलब दुनिया में हर किसी के लिए, लेकिन बल्कि...** (अब, मैं इसे समझाऊंगा, लेकिन ये स्त्री है, पुरुष या स्त्री है, जो कोई भी हो, ऐसा दिखता है जैसा एक स्त्री ने लिखा है।) **... लेकिन इसके लिए बल्कि—बल्कि दुनिया के हर एक भाग के लिए, जिन्हें पिता ने उसे दिया? वे लोग जो जगत की नींव डालने से पहले, परमेश्वर ने अनन्त जीवन के लिये ठहराए थे, अपने खुद के इच्छा की सुमति के अनुसार उन्हें चुना है?**

87 बिलकुल, यह सही बात है! यह बिल्कुल सही बात है। यीशु जिसके लिए मरा… ना ही सिर्फ… वो उद्देश्यपूर्ण है।

88 आइये देखते हैं, मैं विश्वास करता हूं… मैं—मैं विश्वास करता हूं कि वे पढ़ते हैं… इस पर एक प्रश्न आता है:

54. वचन निःसंदेह हमें बताता है कि ये वे लोग हैं जो नहीं—ये वे लोग हैं जो बचाए नहीं जायेंगे। इसलिए…

89 यह बिल्कुल सही बात है। वचन हमें बताता है कि ऐसे लोग हैं जिन्हें परमेश्वर ने पहले से ठहराया है कि वे दोषी ठहराए जाये।

90 क्या आप इसे पढ़ना चाहेंगे, जिससे कि यह हमेशा ही आपके दिमाग से बाहर रहे? तो ठीक है, आइए अब हम यहूदा की—की किताब की ओर जाए, यहूदा यहां बोल रहा है।

यहूदा की ओर से, जो यीशु मसीह का दास और याकूब का भाई है, उन पवित्र किये हुओं के नाम जो परमेश्वर पिता में, और यीशु मसीह के लिये सुरक्षित हैं, और बुलाये गये है:

91 देखा कि वह किसे संबोधित करता है? ना ही पापी को, न केवल सुसमाचारक की सेवा को, लेकिन पवित्र और बुलाए हुए लोगों के लिए। देखो, वे जो पहले से ही राज्य में हैं।

दया और शान्ति और प्रेम तुम्हें बहुतायत से प्राप्त होता रहे।

हे प्रियों,… मैं तुम्हें सामान्य उद्धार के बारे में लिखने के लिए पूरा परिश्रम करता हूं, मेरे लिए यह आवश्यक था कि मैं तुम्हें लिखूं, तो मैं ने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना… कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।

क्योंकि कितने ऐसे मनुष्य अनजाने से हम में आ मिले हैं, जिन के इस दण्ड का वर्णन पुराने समय में पहिले ही से लिखा गया था,… (कैसे?) … *और हमारे परमेश्वर के अनुग्रह को लुचपन में बदल डालते हैं,…*

92 पहले से ठहराये गये! ऐसा नहीं है कि परमेश्वर सिंहासन पर वहां बैठकर, और कहा, "मैं *इस* मनुष्य को बचा लूंगा, मैं *उस* मनुष्य को नाश करूंगा।" ये ऐसा नहीं था! परमेश्वर मरा, और जब यीशु मरा, तो प्रायश्चिता

ने हर एक व्यक्ति के लिए सारी पृथ्वी को ढांक दिया। लेकिन परमेश्वर, पूर्वज्ञान के द्वारा... ऐसा नहीं है कि वह करेगा... उसकी इच्छा नहीं है कि कोई भी नाश होना चाहिए। वह चाहता था कि हर कोई बच जाए। यही उसका—यही उसका अनंत उद्देश्य था। लेकिन यदि वह परमेश्वर था, तो वह जानता था कि कौन बचाया जाएगा और कौन नहीं। यदि वह नहीं जानता, तो वह अनंत परमेश्वर नहीं था। तो बाईबल यही सिखाती है। कि हम कर सकते...

93 यदि हमारे पास यहाँ रोमियों के 8वें अध्याय में जाने का समय होता था, और आप इसे पढ़ सकते है। रोमियों, 9वां अध्याय, बाईबल में बहुत से और भी स्थान में है। इफिसियों, 1ला अध्याय। और आप देख सकते हैं कि परमेश्वर का चुनाव, जिससे कि ये पक्का हो सके, परमेश्वर ने बिना किसी शर्त कि वाचा बाँधी। उसने यीशु को उन लोगों के लिए मरने के लिए भेजा जिन्हें वह पहले से जानता था। समझे?

94 ना ही सिर्फ कहने के लिए, "ठीक है, आप कहते हैं कि परमेश्वर नहीं जानता कि वह बच जाएगी या नहीं? " परमेश्वर जानता था कि संसार के आरंभ होने से पहले, आप बचेंगे, या आप नहीं बचेंगे, या तो वह परमेश्वर नहीं था।

95 क्या आप जानते हैं *अनंत* शब्द का अर्थ क्या होता है? उसमें देखें... शब्दकोश में देखे और पता लगाये कि *अनंत* शब्द का क्या अर्थ है। क्यों, वह हर उस पिस्सू को जानता था जो कभी धरती पर होगा, हर एक मक्खी, हर एक मच्छर, हर एक कीटाणु को। वह इसे जानता था इससे पहले वे अस्तित्व में आये, या तो वह परमेश्वर नहीं था। निश्चय ही, वह इसे जानता था। तो ठीक है।

96 फिर, वहाँ पर, परमेश्वर यह नहीं—नहीं कह सकता, "मैं *तुम्हें* लूंगा, और तुम्हें नरक में भेजूंगा; और मैं *तुम्हें* लूंगा, और तुम्हें स्वर्ग में भेजूंगा।" परमेश्वर चाहता था कि आप दोनों ही स्वर्ग जाये। लेकिन पूर्वज्ञान के द्वारा वह जानता था कि एक कपटी होगा, और जो दूसरा है सज्जन और मसीही होगा। देखा? इसलिए उसे यीशु को मरने के लिए भेजना था, उस मनुष्य को बचाने के लिए जिसे वह पहले से जानता था जो बचना चाहता था। आपने इसे समझे?

अब यहाँ देखें:

वचन संदेहपूर्वक हमें बताते हैं कि ये वे लोग हैं जो बचाए नहीं जायेंगे।

55. **इसलिए यदि प्रायश्चिता सारे... सारी आदम की जाति को ढांपती है, और कुछ नष्ट हुए थे क्योंकि उन्होंने अपने आप को प्रतिज्ञा, या प्रबंध का लाभ नहीं उठाया, ना ही... शक्ति–... आजाद... जो होंगे... जो सर्वशक्तिमान परमेश्वर की अनंत योजनाओं और उद्देश्यों से अधिक शक्तिशाली ताकत होगी? ऐसा होगा...** (वह व्यक्ति, अब इस दूसरे प्रश्न पर पूछ रहा है।) **क्या मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा एक सर्वशक्तिमान परमेश्वर की अनन्त योजनाओं और उद्देश्य से अधिक शक्तिशाली ताकत नहीं होगी?**

97 नहीं, मेरे भाई या बहन। बिल्कुल भी नहीं! कुछ भी अधिक शक्तिशाली नहीं... परमेश्वर के न्याय के उस—उस अनंत उद्देश्य से मनुष्य की इच्छा की तुलना कभी नहीं की जा सकती। ऐसा नहीं हो सकता, देखिए।

98 अब, आपका पहला प्रश्न सही था। आपका दूसरा प्रश्न नहीं हो सकता, मित्र। क्योंकि देखो, उसे देखो जिस तरह से यह यहाँ लिखा गया है, देखो: "क्या मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा सर्वशक्तिमान परमेश्वर की अनन्त योजनाओं और उद्देश्य से अधिक शक्तिशाली नहीं होगी?" क्यों, बिल्कुल भी नहीं। मनुष्य की इच्छा सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उद्देश्य से अधिक शक्तिशाली ताकत कैसे हो सकती है? और मनुष्य अपनी इच्छा रखने के शारीरिक अवस्था में जो वह चाहता है, जो एक अनंत, सिद्ध परमेश्वर की तुलना में अधिक शक्तिशाली होगा? बिल्कुल भी नहीं! ऐसा नहीं हो सकता, देखिए। अनंत परमेश्वर, जिसका उद्देश्य सिद्ध है, आप भला कैसे कह सकते हैं कि यहाँ नीचे एक—एक शारीरिक मनुष्य, चाहे वह कितना भी धर्मी क्यों न हो (और वह हो सकता है), उसके उद्देश्यों की तुलना इस से नहीं की जा सकती: उस—उस अनंत और सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उद्देश्य से।

99 [एक बहन भाई ब्रंहम से बात करती है—सम्पा।] हाँ। ["मुझे क्षमा करें। मैं तो सिर्फ एक सवाल पूछना चाहती थी, और—और आप गलत समझ रहे हैं जो मेरा वहां मतलब है।"] हाँ, अच्छी बात है, बहन। ["मैं ऐसा बिल्कुल भी विश्वास नहीं करती, मेरा मतलब था 'परमेश्वर का अनंत उद्देश्य मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा पर हावी होना है।'"]

100 यह सही है। ओह, ठीक है, तब मैंने—मैंने इसे गलत पढ़ा है, देखिए। तो ठीक है। हाँ, तब आप बिल्कुल सही हो, बहन। मैं नहीं जानता था

कि यह आपका—आपका प्रश्न था। तो ठीक है। लेकिन, देखिए, मुझे मेरे पास यहाँ पर ये है, देखो,... अब मुझे देखने दो, “आदम की सारी जाति को ढांक देती है, और कुछ नष्ट हुए थे क्योंकि उन्होंने इसके प्रबंध का अपने आप—अपने के लिए लाभ नहीं उठाया, क्या मनुष्य की स्वतंत्र इच्छा सर्वशक्तिमान परमेश्वर की अनन्त योजनाओं और उद्देश्य से अधिक शक्तिशाली ताकत नहीं होगी? ” देखिए, मैंने—मैंने वहां आपके विचार का गलत अर्थ निकाला था। जी हाँ, सर्वशक्तिमान परमेश्वर का अनंत उद्देश्य। तो ठीक है, यह बात को सुलझा देता है।

101 मैं सोचता हूं कि हर कोई इसे समझता है। आप समझते है, तो अपने हाथ ऊपर करे। यह—यह सर्वशक्तिमान परमेश्वर का अनंत उद्देश्य है, निश्चित रूप से मनुष्य जितना कर सकता है उससे कहीं अधिक ऊपर—कहीं अधिक ऊपर होगा।

अब:

56. मैं 28वें अध्याय में पानी के बपतिस्मा पर प्रकाश को नहीं समझता... मत्ती के 19वें पद में। इसका अर्थ क्या है?

102 तो सकता है, अब, हो सकता है इसमें मुझे ज्यादा नही बल्कि सिर्फ एक मिनट लगेगा। और यदि आप चाहें तो कोई तो मेरे साथ मत्ती के 28वें अध्याय, और 19वें पद को खोले। और हम जान जायेंगे कि वह व्यक्ति क्या... पच्चीस... अब, यदि आप इसके साथ बने रहेंगे तो यह आपको मजबूत करेगा। यह—यह अच्छा है, आप देखिए। यह सुसमाचारक नहीं है, लेकिन यह...

103 अब हम... अब यहां पर लोग कहने की कोशिश करते हैं, “बाईबल में एक विरुद्ध वचन है।” अब, मैं चाहता हूं कि कोई तो... मत्ती 28:19 को खोले। या, नहीं, मैं चाहता हूं कोई तो... मत्ती 28:19। मैं चाहता हूं कि कोई प्रेरितों के काम 2:38 को खोले। भाई नेविल, आपके पास वहां आपकी बाईबल है?

104 और मैं चाहता हूं कि अब आप अपने लिए पढ़ें। “और मैं आपको बाईबल में एक सख्त विरुद्ध वचन को दिखाऊंगा। और जो उस—उस बाईबल... लोग कहते हैं ‘बाइबल स्वयं का विरुद्ध वचन नहीं करती,’ मैं चाहता हूं कि आप इसका सोच-विचार करे।”

105 और यह प्रोफेसरो को निराशामय बना देता हैं। लेकिन यह—यह साधारण है। अब मैं मत्ती 28:19 पढ़ूंगा, आप मेरे साथ–साथ पढ़े। और आप में से कुछ प्रेरितों के काम 2:38 के साथ इसे तैयार रखें। मैं 18वें पद से आरंभ करूँगा, यह मत्ती का आखरी अध्याय है:

> *और यीशु ने आकर और अपने चेलो–, ... से कहा, उनसे कहा, स्वर्ग और पृथ्वी की सारी सामर्थ मुझे दी गई है।* (पिता की सामर्थ कहाँ है?)

106 यदि स्वर्ग और पृथ्वी की सारी सामर्थ यीशु को दी जाती है, तब तो परमेश्वर सामर्थहिन हो गया, क्या वो नहीं हुआ? या उसने बस एक कहानी को बताया? क्या वह मजाक कर रहा था? ये उसका मतलब था! क्या आप विश्वास नहीं करते कि उसका मतलब यह था? तो ठीक है, यदि सारी सामर्थ उसे दी गयी है, तब परमेश्वर की सामर्थ कहाँ है? वह परमेश्वर था! यह बिल्कुल सही है। वहां इसमें केवल यही एक चीज है। बस इतना ही था। देखो, वह परमेश्वर था; या तो वहां कोई और बैठा हुआ है, उसके पास कुछ सामर्थ थी, अब उसके पास ये नहीं है। देखना? तो आप—आप इसे उलझा नहीं सकते है। हम यहाँ ठीक इसी चीज पर बात करेंगे। तो ठीक है:

> *...* जो स्वर्ग और पृथ्वी में की *सारी सामर्थ है... स्वर्ग में और पृथ्वी में।*
>
> *इसलिए जाओ,... सारे राष्ट्रों को शिक्षा दो, उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो:*
>
> *और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है मानना सिखाओ:... देखो, मैं जगत के अंत तक* हमेशा *तुम्हारे साथ हूं।*

107 प्रेरितों के काम 2:38, अब कोई पढ़े। बस एक मिनट रुकना। प्रेरितों के काम, 2रा अध्याय, 38वां पद। अब, बहुत ही ध्यान से सुनें, और बस धीरज रखें, और अब हम देखेंगे। अब, यह दस दिन बाद की बात है यीशु ने अब उनको बताया उसके बाद, मत्ती 28:19, "इसलिए जाओ, सारे राष्ट्रों को शिक्षा दो, उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा दो।"

108 अब, पतरस, दस दिन के बाद... उन्होंने कभी दूसरे उपदेश का प्रचार नहीं किया। वे यरूशलेम के ऊपरी कोठरी में चले गए, और वहाँ (दस दिन तक) पवित्र आत्मा के आने की बाट जोहते रहे। कितने लोग यह जानते है? इस स्थान पर। यहाँ पतरस है, पतरस के पास राज्य की चाबियाँ हैं। तो ठीक है, हम देखेंगे कि वह क्या करता है। मत्ती, या मेरा मतलब प्रेरितों के काम 2, आइए 36वां पद लें:

> *इसलिए अब इस्राएल का सारा घराना* निश्चय *जान ले, कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे* तुम *ने... क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।*

"प्रभु और मसीह भी।" कोई आश्चर्य नहीं, स्वर्ग और धरती की सारी सामर्थ उसे दी गई थी।

> *अब जब उन्होंने इसे सुना तो उनके हृदय छिद गये, और पतरस से और... बाकी के प्रेरितों से कहा,* लोगों *और भाइयों, हम क्या करें?*

> पतरस ने उत्तर दिया... *पतरस ने उन से कहा, पश्चाताप करो,* तुम में से हर एक, और *पापों के क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में* बप्तिस्मा लो, *और* तुम *पवित्र आत्मा का दान पाओगे।*

109 अब, एक विरोधाभास है, मत्ती ने कहा, "नाम में बपतिस्मा दो: पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," और पतरस ने प्रेरितों के काम 2:38 में कहा, दस दिन के बाद, "पश्चाताप करो, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो।"

110 उसके बाद अगली बार बाईबल में पश्चाताप के विषय में बोला—बोला गया, मेरा मतलब, बपतिस्मा के विषय में बोला गया, यह प्रेरितों के काम का वो—वो 8वां अध्याय है, जब फिलिप्पुस ने वहां पर जाकर और लोगों को प्रचार किया... उन सामरी लोगो को—को। और उन्होंने पवित्र आत्मा को पाया, और उन्होंने यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था।

111 अगली बार इसके बारे में बताया गया था, जब अन्यजातियों ने इसे पाया था, प्रेरितों के काम 10:49:

> और *जब पतरस... ने इसके विषय बोला,* देखो, *पवित्र आत्मा उन* पर *उतरा... वे जिन्होंने* उन्हें *सुना।*

क्योंकि उन्होंने उन्हें अन्य जुबान में बोलते सुना, और परमेश्वर को ऊँचा उठाया। तब पतरस ने कहा,

क्या कोई *जल की रोक कर सकता है, यह* देखते हुए *कि ये… जिन्होंने पवित्र आत्मा को पाया है* जैसे हमने शुरुआत में पाया था?

और उसने उन्हें आज्ञा दी कि प्रभु यीशु मसीह *के नाम में बपतिस्मा लो।*

112 अब मुझे यहाँ कुछ लेना है, बस आपको कुछ तो दिखाने के लिए जिससे कि आप इसे भूल न जाये; एक छोटा सा चित्रण करने जा रहा हूँ। मैं बनाऊंगा… कितनी पीढ़ी–… संसार में लोगों की कितनी राष्ट्रीयतायें या जाति हैं? वहां पर तीन हैं: हाम, शेम और येपेत के लोग। कितने लोगों को पता है? हम नूह के उन तीन पुत्रों से आते हैं। हाम के लोग, शेम के लोग… येपेत के लोग एंग्लो–सैक्सन हैं, शेम के लोग हैं… तीन पीढ़ियाँ है, जो हैं: यहूदी, अन्यजाति, और आधे यहूदी और अन्यजाति। अब, ध्यान दें, जब वह वहां… और *यह* हाम है… शेम, हाम और येपेत।

113 अब, पहली बार बपतिस्मा के बारे में कभी बात की गई थी, ये यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने इसके बारे में बात की थी। कितने लोग जानते हैं कि यह सच है? तो ठीक है, मैं *इसे* यहाँ पर रखने जा रहा हूँ, यहाँ पर, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला है। और यूहन्ना ने लोगों को यरदन नदी में बपतिस्मा दिया, यह आज्ञा देते हुए कि मन फिराओ और परमेश्वर के साथ सही कर लो। और अपनी संपति बेचकर, और कंगालों को पालन–पोषण करो, और सिपाही उनके धन से संतुष्ट हों, और परमेश्वर के साथ संबंध ठीक कर ले। कितने लोग यह जानते है? और उस ने उन्हें यरदन नदी में बप्तिस्मा दिया, न ही जल को छिड़ककर, न ही जल को उंडेल कर, लेकिन उन्हें जल में डुबोया! यदि आप इस पर विश्वास नहीं करते हैं, तो यहाँ शब्दकोष है, देखे कि क्या यह *बैप्टिज़ो* नहीं है, जो है "बपतिस्मा देना, डुबाकर, नीचे डालकर, दफनाना।" अब, पहली बार बपतिस्मा के बारे में कभी बात की गई थी, वो वहाँ था।

114 दूसरी बार बपतिस्मा के बारे में बात की गई थी, यीशु ने इसकी आज्ञा दी थी, मत्ती 28:19।

115 अगली बार जब बपतिस्मा की बात की गई थी, वो प्रेरितों के काम 2:38 थी।

116 अगली बार जब बपतिस्मा की बात की गई थी, वह प्रेरितों के काम के 8वें अध्याय में था।

117 अगली बार जब बपतिस्मा की बात की गई थी, वह प्रेरितों के काम का वो—वो 10वां अध्याय था।

118 और फिर हम उस समय से आये हैं जहाँ यीशु ने कहा, यहाँ पर, "इसलिये तुम जाकर, सारे राष्ट्रों को शिक्षा दो, उन्हें पिता और पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो।"

119 अब आइए पहले इस वचन को स्पष्ट करें। मैंने आपको वह बताया है "बाईबल में ऐसा कोई भी वचन नहीं है जो दूसरे वचन के विपरीत हो।" मैं चाहता हूं कि आप इसे मेरे पास लाकर दिखाए। मैंने इसे छब्बीस साल से पूछा है, और मुझे अभी तक यह नहीं मिला है। ऐसा कोई वचन नहीं है जो इसके विपरीत हो–... यदि यह इसका खंडन करता है, तो यह एक मनुष्य का लिखा हुआ काम है। नहीं, श्रीमान, बाईबल में कोई विपरीत वचन नहीं है!

120 अब यह आपने कहा, "*उस* के विषय में क्या? "

121 यहाँ यीशु खड़ा हुआ कह रहा है, "इसलिए तुम जाकर, सभी राष्ट्रों को शिक्षा दो, उन्हें पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो।"

122 और पतरस ने तब सीधे पीछे मुड़कर कहा, "तुम में से प्रत्येक जन प्राश्चित करें, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले।"

123 "वहां पर आपका विपरीत वचन है।" ये ऐसा दिखाई देता है। अब, यदि आप शारीरिक दिमाग से पढ़ते है, और ना ही खुले हृदय से, तो यह एक विपरीत वचन होगा।

124 लेकिन यदि आप इसे खुले मन से पढ़ेंगे, "पवित्र आत्मा ने इसे ज्ञानियों और बुद्धिमान की आँखों से छिपा कर रखा है," यीशु ने ऐसा कहा, और इस बात के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया, "और इसे उन बालको पर प्रकट किया है जो सीखेंगे।" यदि आपके पास एक मन है, और एक स्वार्थी मन नहीं है, लेकिन सीखने के लिए एक इच्छुक हृदय है, तो पवित्र आत्मा आपको इन बातों को सिखाएगा।

125 अब यदि यह तुलना नहीं करता है... आप कहते है, “आप कैसे जानते हैं कि आप सही हैं? ” तो ठीक है, यह बाकी के वचनों के साथ तुलना करता है। यदि आप नहीं करते हैं, तो आपको यहाँ एक पूरी तरह से विपरीत वचन मिलता है।

126 अब मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहता हूं। यह मत्ती का आखिरी अध्याय है। मैं इसे एक छोटे रूप में लूंगा, ताकि आप में से हर कोई... बच्चे भी इसे समझ जायेंगे।

127 उदाहरण के लिए, यदि आप एक प्रेम कहानी को पढ़ते हैं, और उसके आखिरी में कहा गया, “और मैरी और जॉन हमेशा के लिए खुश रहने लगे।” तो ठीक है, आप सोचेंगे कि जॉन और मैरी कौन थे जो बाद में हमेशा खुश रहने लगे थे। अब, यदि आप जानना चाहते हैं कि जॉन और मैरी कौन हैं, अच्छा होगा कि आप किताब के पहले भाग पर पीछे जाएँ और पता करें कि जॉन और मैरी कौन हैं। फिर यहाँ वापस जाकर और पता लगाये कि मैरी कौन थी, और वह किस परिवार से है; और जॉन कौन था, और वह किस परिवार का था, और उसका क्या नाम था, और उनका विवाह कैसे हुआ, और इसके बारे में सब कुछ पता करे। क्या यह सही है?

128 यही बात यहाँ बाईबल पढ़ने में भी लागू होती है। कब... देखो, यीशु ने कभी भी नहीं कहा, “जाकर लोगों को पिता के नाम में, पुत्र के नाम में, पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो,” जिस तरह से त्रिएकतावादी के लोग बपतिस्मा लेते हैं। बाईबल में इसके लिए कोई वचन नहीं है। उसने कभी भी नहीं कहा, “नामों में (एन–ए–एम–ई–एस), नामों” पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के।

129 उसने कहा, “(एन–ए–एम–ई) नाम में,” एकवचन। वहां अपनी बाईबल को देखें और पता करें कि क्या यह सही है, मत्ती 28, “*नाम* में।”

130 ना ही “पिता के नाम में, पुत्र के नाम में, ... ” इसी तरह से एक त्रिएकता का प्रचारक बपतिस्मा देता है। “पिता के नाम में, पुत्र के नाम में, और पवित्र आत्मा के नाम में।” ऐसा बाईबल में है भी नहीं।

131 “फिर नाम में... ” आपने कहा, “तो ठीक है, तब ‘पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा,’ के नाम में।” फिर वहां पर कोई एक नाम को होना है।

132 तो ठीक है, क्या *पिता* एक नाम है? कितने जानते हैं कि *पिता* एक नाम नहीं है? *पिता* एक उपाधि है। *पुत्र* एक नाम नहीं है। कितने जानते हैं

पुत्र एक नाम नहीं है? यहाँ पर कितने पिता हैं? अपना हाथ ऊपर उठाये। यहाँ कितने पुत्र हैं? अपने हाथ को ऊपर उठाये। तो ठीक है, आप में से किसका नाम "पुत्र" है? आप में से किसका नाम "पिता" है? तो ठीक है, *पवित्र आत्मा* कोई नाम नहीं है, *पवित्र आत्मा* वो है जो यह है। यहाँ कितने लोग मनुष्य हैं? अपना हाथ ऊपर उठाये। देखा? आप वहाँ हो, पवित्र आत्मा वो है जो ये है। *पिता, पुत्र* और *पवित्र आत्मा,* इनमें से कोई भी नाम नहीं है; इसमें से कोई नाम नहीं है।

133 तो ठीक है, तब, यदि उसने कहा, "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो," हमारे लिए अच्छा होगा कि हम पीछे जाकर और पता करें कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा कौन हैं। आइए हम पीछे मत्ती के 1ले अध्याय की ओर जाये, देखेंगे कि यह व्यक्ति कौन था जिसके नाम में हम बपतिस्मा लेने वाले हैं। और अब हम मत्ती के 1ले अध्याय, और 18वे पद से आरम्भ करते हैं। आप सभी ध्यान से पढ़ें।

134 अब, आपने प्रश्न पूछा है, मैं यहाँ छोटा सा चित्रण करना चाहता हूं। अब मैं यहां तीन बातों को रखने जा रहा हूं जिससे कि आप स्पष्ट रूप से समझ सकें, (चित्रण करके) ये बाईबल और किताबें, जो चित्रण करने के लिए है।

135 तो ठीक है, मैं चाहता हूं कि आप मेरी ओर ध्यान से देखें, और हर एक अब मेरा अनुसरण करें। अब, *यह* यहाँ पर परमेश्वर पिता है। *यह* यहाँ पर परमेश्वर पुत्र है। *यह* यहाँ पर परमेश्वर पवित्र आत्मा है। अब कितने लोग समझ रहे हैं? आप इसे मेरे पूछने के बाद कहें। यह *यहाँ* नीचे कौन है? [सभा कहती है, "पवित्र आत्मा।"—सम्पा।] पवित्र आत्मा। यह *यहाँ* पर कौन है? ["पिता।"] यह *यहाँ* पर कौन है? ["पुत्र।"] अब, इसी तरह से त्रिएकतावादी विश्वास करते हैं, देखिए, जो हमें मूर्तिपूजक बनाता है, बस उतना ही अपरिपक्व जितना ये हो सकता है।

136 यहूदी; यही कारण है कि आप एक यहूदी के साथ कुछ भी नहीं कर सकते। उसने कहा, "आप परमेश्वर को तीन टुकड़ों में काटकर एक यहूदी को नहीं दे सकते है।" लेकिन, निश्चित रूप से नहीं, ना ही आप मुझे दे सकते है। देखा? नहीं, श्रीमान। वह एक परमेश्वर है। यह बिल्कुल ऐसा ही है। ना ही तीन परमेश्वर। अब ध्यान दीजिये यह कितना—कितना—कितना साधारण है।

137 अब हम पता लगाएंगे। अब कौन... *यह* है कौन? अब कुछ बोलते हैं। परमेश्वर वो पुत्र। क्या यह सही है? *यह* पुत्र है। तो ठीक है, उसके बाद उसका पिता परमेश्वर है। क्या यह सही है? कितने लोग विश्वास करते हैं कि उसका पिता परमेश्वर है? अपना हाथ ऊपर करे। कितने लोग विश्वास करते हैं कि परमेश्वर यीशु मसीह का पिता है? तो ठीक है।

अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ:...

138 अब हम यह देखने के लिए पीछे जा रहे हैं कि पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा कौन हैं, जो कि मत्ती में कहा "के नाम में बपतिस्मा देना।" देखो, नाम; अब नामों नहीं है, क्योंकि वे नामों नहीं हो सकते, क्योंकि वहाँ कोई नाम नहीं है।

> *अब यीशु मसीह का जन्म इस प्रकार से हुआ: कि जब... उस की माता मरियम की मंगनी यूसुफ के साथ हो गई, इससे पहले कि वे एक साथ आए, वह* परमेश्वर उस पिता *से* एक *बालक के साथ पाई गई।* (क्या बाईबल ऐसा कहती है? बाईबल क्या कहती है?)... *वह पवित्र आत्मा से* एक *बालक के साथ पाई गई थी।*

139 तो *इनमें* से कौन सा उसका पिता है? अब, बाईबल ने कहा कि *यह* उसका पिता है, और यीशु ने कहा कि *यह* उसका पिता था। अब, उसका पिता कौन सा है? अब, क्या उसके दो पिता थे, तो अब इसके विषय में क्या? यदि उसके दो पिता होते थे, तो वह एक नाजायज बालक होता।

140 अब आइये हम थोड़ा सा आगे पढ़ते हैं:

> *सो उसका पति यूसुफ जो धर्मी मनुष्य होने पर, उसे सार्वजनिक रूप से बदनाम करना नहीं* चाहता था, लेकिन *उसे चुपके से त्याग देने की मनसा की।*
>
> *लेकिन जब वह इन बातों के सोच ही में था तो देखो प्रभु का स्वर्गदूत उसे स्वप्न में दिखाई दिया, ये कहते हुए, हे यूसुफ दाऊद की सन्तान, तू अपनी पत्नी मरियम को अपने यहां ले आने से मत डर: उसके लिए जो उसके गर्भ में है उसकी ओर से है...* [सभा कहती है, "पवित्र आत्मा"—सम्पा।]

141 *किसकी* ओर से? पवित्र आत्मा? तो ठीक है, पिता उसका पिता कैसे हो सकता है, और पवित्र आत्मा एक ही समय में उसका पिता कैसे हो

सकता है? अब, तब तो उसके दो पिता थे, यदि यह बात सही है तो। नहीं, श्रीमान! पवित्र आत्मा **ही** परमेश्वर है। पवित्र आत्मा **ही परमेश्वर** है। तो परमेश्वर और पवित्र आत्मा एक ही व्यक्ति है, या तो उसके दो पिता थे।

142 देखो, हमें कुछ समय बाद पता चलता है कि *जॉन और मैरी* कौन हैं। तो ठीक है, हम पता करेंगे कि पतरस और मत्ती एक दूसरे का खंडन करने की कोशिश कर रहे थे या नहीं, देखें कि क्या वचन स्वयं का खंडन करता है। यह आत्मिक समझ की कमी की वजह से है। यह सही है।

लेकिन जब उसने इन पर विचार किया...

143 मेरे पास यह एक वचन है, 20वां पद। अब 21वां:

और वह एक पुत्र को जन्मेंगी,... (इस व्यक्ति को, *इनमें* से कौन सा था? एक व्यक्ति, परमेश्वर।) ... *और तू उसका नाम बुलायेगी...* (क्या?) [सभा उत्तर देती है, "*यीशु*"—सम्पा।] ... *क्योंकि वह अपने लोगों को उनके पापों से बचाएगा।*

... यह सब *किया गया था, जिससे कि... जो वचन प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था, वह पूरा हो सके, कहता है,*

कि, देखो एक कुंवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र को जनेगी, और वे उसका नाम इम्मानुएल बुलायेंगे,... जिसका अनुवाद है, *परमेश्वर हमारे साथ।*

144 सो *जॉन और मैरी* कौन थे जो बाद में हमेशा खुश रहते थे? वो कौन था जिसने कहा, "इसलिए तुम जाओ, सारे राष्ट्रों को शिक्षा दो, उन्हें पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो"? पिता कौन था? पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा का नाम? [कोई कहता है, "यीशु।"—सम्पा।] निश्चय ही, ऐसा था। निश्चय ही, इसमें कोई विपरीत वचन नहीं है। जरा भी नहीं। यह तो बस वचन को स्पष्ट करता है। वह पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा था। परमेश्वर (इम्मानुएल) हमारे साथ वास कर रहा था, एक शरीर में निवास किये हुए था जिसे "यीशु," बुलाया गया।

145 अब, एकात्मकता कलीसिया की एकात्मकता की शिक्षा, मैं निश्चित रूप से इससे असहमत हूं, यह सोचते हुए कि यीशु एक है जैसे आपकी उंगली एक है। उसके पास एक पिता होना था। यदि वो नहीं होता, तो वह उसका

अपना पिता कैसे हो सकता था? और यदि उसका पिता एक व्यक्ति था जैसा कि त्रिएकतावादी कहते हैं, तो वह दो पिताओं से एक नाजायज जन्म से पैदा हुआ था। तो, आप देखते हैं, वाद–विवाद करके आप दोनों ही गलत हैं। देखा?

146 लेकिन इसकी सच्चाई यह है कि पिता, पुत्र, और पवित्र आत्मा दोनों एक ही व्यक्तित्व हैं। [टेप पर खाली जगह—सम्पा।] ... देह के तम्बू में वास करने से, ताकि जगत से पाप उठा ले। यह बिलकुल सही है, "परमेश्वर हमारे साथ।" अब, इसलिए, जब मत्ती 28:19...

147 अब, आप वचनों में खोजे, और जब आप बाईबल में एक व्यक्ति को ढूंढ सकते हैं... (अब इस बारे में सोचें, अब इसे अपने ऊपर से न जाने दें।) ... जहां बाईबल में एक व्यक्ति को कभी भी "पिता," और "पुत्र," और "पवित्र आत्मा," के नाम में बपतिस्मा दिया गया था, वापस मेरे पास आकर और मुझे बताओ कि मैं एक ढोंगी हूं, और मैं अपनी पीठ पर एक तख्ते को लगाऊंगा और शहर भर में घूमूंगा। यह उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक, वचनों में नहीं है। लेकिन बाईबल में का प्रत्येक व्यक्ति का यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा हुआ था!

148 आप कहते है, "एक मिनट रुकना, प्रचारक। यूहन्ना के बारे में क्या? उसने किसी भी नाम से बपतिस्मा नहीं लिया!"

149 तो ठीक है, हम देखते है कि क्या हुआ था; आइये उस—उस प्रेरितों के काम की—की ओर जायेंगे, 19वां अध्याय। यहीं है जहाँ हम यूहन्ना के चेलो को देखते हैं। हर एक व्यक्ति को यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा दिया गया था, वहां तब से अब तक हम इस झुण्ड को यहाँ नहीं पाते हैं। प्रेरितों के काम, 19वां अध्याय। और आइए हम अब पढ़ना आरंभ करें, और हम यूहन्ना के चेलों को पाते हैं:

> *और ऐसा हुआ,... जब अपुल्लोस* (जो एक वकील था, परिवर्तित हुआ) *कुरिन्थियों में था, पौलुस ऊपरी तटों में से होते हुए गुजर रहा था... इफिसुस* के: वो *कुछ चेलो* को पाता है, (वे यीशु के अनुकरण करने वाले थे)

150 यदि आपने अभी पिछले अध्याय पर ध्यान दिया है वहां पहले, वे बहुत ही अच्छे समय को बिता रहे थे इतना तक कि वे चिल्ला रहे थे और आनंदित हो रहे थे। कितने लोग यह सच को जानते हैं? और अक्विला और

प्रिस्किल्ला उस सभा में भाग ले रहे थे। और पौलुस और सीलास को पीटा गया, और कोड़े मारे गए, और बन्दीगृह में डाल दिए गए थे। क्या यह सही है? और उन्होंने यहां आकर अक्विला और प्रिस्किल्ला को पाया। और उनके पास अपुल्लोस नाम के एक बैपटिस्ट प्रचारक के द्वारा वहां पर बेदारी थी, जो वचनों के द्वारा साबित कर रहा था "यीशु ही मसीह था।" अब पौलुस को वो मिलता है:

> ... *पौलुस ऊपरी तटों में से होते हुए गुजर रहा था... इफिसुस के:... वो कुछ चेलो को* पाता *है,*
>
> *उस ने उन से कहा, क्या* तुम *ने पवित्र आत्मा पाया जब से तुम ने विश्वास किया है?...*

151 अब, आप जो प्रिय बैपटिस्ट मित्र है, क्या यह *आपके* धर्मज्ञान के तहत उस—उस भरोसे को ख़त्म नहीं करता, जब आपने कहा "*जब* आपने विश्वास किया तो पवित्र आत्मा को पाया।"

152 लेकिन पौलुस इन बैपटिस्ट लोगों से पूछना चाहता था, "क्या आपने पवित्र आत्मा पाया है *जब* से आपने विश्वास किया?" अब देखिए उन्होंने क्या कहा:

> *... और उन्होंने उस से कहा, हम* जानते *भी नहीं... कि कोई पवित्र आत्मा भी है।*
>
> *और उस ने उन से कहा, किसका...* (अब, यदि आप यहां यूनानी शब्दकोश को लेना चाहते हैं, तो यह आपको दिखाएगा, "तुम्हारा बपतिस्मा *कैसे* हुआ था?")... *किस पर*... आपका *बपतिस्मा हुआ था? और उन्होंने* उस से *कहा,* यहां पहले यूहन्ना के नीचे। यूहन्ना ने हमें बपतिस्मा दिया।

153 अब मैं पूछना चाहता हूं: यदि आपने वह बपतिस्मा लिया होता था, तो क्या आप इससे संतुष्ट होते? वही मनुष्य जो यीशु को नदी में ले गया, और यीशु मसीह को बपतिस्मा दिया, उसी मनुष्य ने इन लोगों को बपतिस्मा दिया था। यह एक बहुत अच्छा बपतिस्मा है: ना ही जल का छिड़काव, ना ही जल का उड़ेला जाना, लेकिन पुराने कीचड़ भरे यरदन में उसी स्थान पर डुबकी लगाकर यीशु का बपतिस्मा हुआ था। उसके बारे में सोचे।

154 पौलुस ने कहा, "क्या तुमने पवित्र आत्मा को पाया जब से तुमने विश्वास किया?" वे... वो...

उन्होंने कहा, “हम जानते... क्या कोई पवित्र आत्मा है भी या नहीं।”

उसने कहा, “तुम्हारा बपतिस्मा कैसे हुआ था? ”

उन्होंने कहा, “हमने बपतिस्मा लिया है।”

“तुम्हारा बपतिस्मा कैसे हुआ था? ”

“यूहन्ना के निमित!”

155 अब देखिए पौलुस ने क्या कहा। यहां देखें:

> *और उसने उनसे कहा,*... तुम्हारा बप्तिस–... यूहन्ना के *निमित* हुआ था... और उन्होंने...
>
> और *फिर पौलुस ने कहा, यूहन्ना ने वास्तव में बपतिस्मा दिया... बप–... पश्चाताप* करने के लिए, *कहते हुए... लोगो से, ... उन्हें उस पर विश्वास करना चाहिए* जो *उसके बाद आने वाला हैं, अर्थात* यीशु मसीह *पर।*

156 देखो, यूहन्ना ने केवल पश्चाताप के *निमित* बपतिस्मा दिया, लेकिन यीशु के नाम में पानी का बपतिस्मा पापों की क्षमा के लिए है। तब प्रायश्चिता नहीं हुई थी, पाप मिटाए नहीं जा सके थे। अब... यह तो सिर्फ एक विवेक का उत्तर था, जैसे नियम के तहत। लूका 16:16, ने कहा, “यूहन्ना तक नियम और भविष्यद्वक्ता थे, तब से लेकर राज्य का प्रचार किया गया है।” अब देखो। और... देखो।

> और पौलुस ने *कहा–...* (अब देखें)... *क्या* तुमने *पाया...*

157 5वां—5वां पद:

> और *जब उन्होंने यह सुना, तो उन्होंने* (फिर से) यीशु मसीह... *के नाम में बपतिस्मा लिया।*

158 यह सही है? तब ये लोग, प्रेरितों के काम 2 के लोग, उन्होंने यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया था। यहूदियों को यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया गया था। अन्यजातियों को यीशु के नाम में बपतिस्मा दिया गया था। और पूरी बाईबल में हर एक व्यक्ति ने यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया था।

159 अब एक ऐसा स्थान दिखाओ जहां किसी और ने कभी किसी अन्य तरीके से बपतिस्मा लिया हो, और मैं यहाँ पर ठीक वापस जाकर और आपको दिखाऊंगा कि कैथोलिक कलीसिया जहाँ पर इस बात को स्वीकार करता है, और कहता है कि आप इस बात को मानते हैं। और कहा, “कुछ

प्रोटेस्टेंट बचाए जा सकते हैं क्योंकि उनके पास कुछ कैथोलिक सिद्धांत हैं, जैसे कि बपतिस्मा 'पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा' नाम में; कि पवित्र कैथोलिक कलीसिया के पास अधिकार है कि उस धार्मिक क्रिया को यीशु के नाम से बदलकर, 'पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा,' कर दे और प्रोटेस्टेंट कलीसिया इसे स्वीकार करता है।" यह नहीं है, मैं बाईबल के साथ बने रहता हूं। मुझे बाईबल पर विश्वास है।

160 आप कहते है, "भाई ब्रंहम, क्या आप लोगों को बपतिस्मा लेने का आदेश देते हैं? " बिल्कुल! पौलुस ने यहाँ किया।

161 अब देखें, आइए हम गलातियों 1:8 को देखें, और जानें कि पौलुस ने क्या कहा:

> *... यदि हम या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हम ने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए... तो श्रापित हो।*

162 वहां आप हैं, "यदि हम या कोई दूत भी।" और पौलुस, वही मनुष्य, लोगों को फिर से बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी, मेरे भाई, आपने जो बपतिस्मा लिया है, उससे कहीं बेहत्तर बपतिस्मा लिया; क्योंकि यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला यीशु का अपना चचेरा भाई था, दूसरा चचेरा भाई; यरदन नदी में अपने चचेरे भाई को बपतिस्मा दिया, और सीधे पीछे मुड़कर और यूहन्ना के चेलों को बपतिस्मा दिया। और यीशु ने कहा, "वह काम नहीं करेगा!" मतलब पौलुस ने इसे कहा, और यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा लेने की आज्ञा दी इससे पहले उन्हें पवित्र आत्मा मिल सके; उसके बाद वे चिल्ला रहे थे और परमेश्वर की स्तुति कर रहे थे और अच्छे समय को बीता रहे थे, उनके पास एक बड़ी—बड़ी बेदारी थी, और बाईबल के द्वारा (उनके धर्मशास्त्र के साथ) साबित कर रहे थे कि यीशु ही मसीह था। कितने लोग जानते हैं कि यह वचन है? 18वां अध्याय। निश्चित रूप से ऐसा है। वहां आप हैं। तो इसमें कोई सवाल ही नहीं है।

163 अब मैं आपको कुछ मुख्य बात को बताता हूं। अब, वह कभी भी क्रम से बाहर नहीं गया, लेकिन लूका में... मत्ती, 16वां अध्याय। यीशु, जब वे पहाड़ से नीचे उतरे, वह कहता हैं, "लोग मुझ मनुष्य के पुत्र को क्या कहते है? "

164 “कोई कहता हैं तुम ‘एलिय्याह,’ हो और कुछ कहते हैं कि तुम ‘भविष्यव्यक्ता,’ हो और कुछ कहते हैं कि तुम ‘*यह, वो,*’” हो।

165 उसने कहा, “परंतु तुम क्या कहते हो?”

166 पतरस ने कहा, “तू जीवित परमेश्वर का पुत्र मसीह हैं।”

167 देखो! “धन्य हो तुम, शमौन बार–जोना के (योना के पुत्र), मांस और लहू ने इसे कभी भी तुझ पर प्रकट नहीं किया।” आमीन!

168 देखो, इसका आत्मिक प्रकाशन आना ही है। मांस और लहू ने हाबिल को कभी नहीं बताया कि वो गलत था (कैन के लिए, कि वो गलत था), हाबिल को यह कभी भी नहीं बताया कि “कैन गलत था।” लेकिन यह एक प्रकाशन था जो हाबिल के पास था, “यह लहू था!” हम कुछ ही मिनटों में उस प्रश्न पर आ रहे हैं। यह लहू था, ना ही फल, जो हमें अदन की वाटिका से ले गया। “वो लहू था,” और हाबिल, आत्मिक प्रकाशन के द्वारा, परमेश्वर से प्रकट हुआ था कि यह लहू था, ओर वो, “विश्वास के साथ,” इब्रानियों 11:1 कहता है, “उसने कैन से उत्तम बलिदान परमेश्वर को चढ़ाया। जिसे, परमेश्वर ने उसके बलिदान को स्वीकार कर लिया।” वहां आप हैं। देखिए, उसने इसे विश्वास के द्वारा, प्रकाशन के द्वारा भेंट चढ़ाया।

169 अब देखो, “मांस और लहू ने इसे तुम पर प्रगट नहीं किया,” (प्रभु यीशु की ओर सीधा जाते हुए) “लेकिन मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है इसे तुम पर प्रगट किया है। और इस चट्टान पर (यीशु मसीह का प्रकाशन)... इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बनाऊंगा, और अधोलोक के फाटक इसके विरुद्ध प्रबल नहीं हो सकते।” यही है जो उसने कहा। आत्मिक प्रका–... “और मैं कहता हूं कि तू पतरस है, और मैं तुझे राज्य की चाबियां दूंगा। और जो भी हो... क्योंकि तुम्हारे पास यहाँ और स्वर्ग के बीच एक आत्मिक खुला हुआ माध्यम या चैनल है। मांस और लहू: तुमने कभी धर्म विद्यालय में नहीं लिया, तुमने कभी स्कूली शिक्षा नहीं ली, तुमने कभी किसी—किसी—किसी धर्मशास्त्र की शिक्षा नहीं ली। लेकिन आप परमेश्वर पर निर्भर थे, और परमेश्वर ने इसे तुम पर प्रकट किया, और यह बिल्कुल स्पष्ट वचन है जो इसे एक साथ बांधता है। मैं कहता हूँ कि तुम पतरस हो, यह सही है, और मैं तुम्हें चाबियां दूंगा; और जो कुछ तू धरती पर बान्धेगा, उसे मैं स्वर्ग में बान्धूंगा; जो तू धरती पर खोलेगा, मैं उसे स्वर्ग में खोलूंगा।”

170 और पतरस पेंटीकोस्ट के दिन बोलने वाला वक्ता था, जब वे सब बोलने से डर गए थे, तो उसने बोला और कहा, "हे यहूदिया के लोगो, और तुम जो यरूशलेम में रहते हो, इस बात को तुम जान लो और मेरे वचनों पर कान लगाओ। ये नशे में नहीं हैं जैसा कि तुम समझ रहे हो, यह देखते हुए कि यह दिन का तीसरा पहर है, लेकिन यह वही है जो भविष्यद्वक्ता योएल ने इसके विषय में कहा था। 'यह अंत के दिनों में पूरा होगा,' परमेश्वर यों कहता हैं, 'मैं सब प्राणियों पर अपना आत्मा उडेलूंगा। तुम्हारे बेटे और बेटियां भविष्यवाणी करेंगे। और मेरे दासो पर, मेरे दासियों पर अपनी आत्मा में से उडेलूंगा। और मैं ऊपर आकाश में और नीचे धरती पर चिन्ह और धूएं और भाप के खम्भे दिखाऊंगा। यह प्रभु के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले होगा, कि जो कोई प्रभु का नाम को पुकारेगा वह बचा लिया जायेगा।'" वहां आप हैं। ओह, प्रभु।

171 "मुझे तुम लोगो से कुलपति दाऊद के विषय में खुलकर बातें करने दो," उसने कहा, "वह मरा और गाड़ा गया है, और उसकी कब्र आज के दिन तक हमारे पास है। इसलिए, एक भविष्यव्यक्ता होने के नाते, उसने देखा... उसे अपने दाहिने हाथ की ओर देखा, 'और मैं ना हटूंगा। और यही नहीं मेरा शरीर आशा में विश्राम करेगा क्योंकि वह मेरे प्राण को अधोलोक में नहीं छोड़ेगा, न ही अपने पवित्र जन को सड़ते हुए देखेगा।'"

172 "और दाऊद दोनों मर चुके हैं," उसने कहा, "और गाड़ा गया, और उसकी कब्र आज के दिन हमारे पास है। लेकिन भविष्यव्यक्ता होने पर, उस ने उस धर्मी जन के आने को पहले से देख लिया, जिसे परमेश्वर ने प्रभु और मसीह दोनों ठहराया है।" ओह, प्रभु। वहां आपके वचन हैं। वहाँ वो बात है। ऐसा ही है।

173 अब फिर हम यहाँ देखते है, कि सही मार्ग, और वास्तविक मार्ग, और केवल वही मार्ग है जिसे कभी ठहराया गया था... और पतरस के पास चाबियाँ थीं, और जिस दिन उस ने प्रचार किया, उन्होंने कहा... अब देखो, यहाँ पर पहली कलीसिया है। तुम कैथोलिक लोग इसे सुनो। आप कैम्पबेल लोग इसे सुनें। आप बैपटिस्ट और मेथोडिस्ट इसे सुनें। और आप पेंटीकोस्टल इसे सुनो। चर्च ऑफ गॉड, नाजरीन, पिलग्रिम होलीनेस, इसे सुनें।

174 पतरस के पास चाबियाँ थीं, और उसके पास अधिकार था, या तो यीशु ने झूठ बोला। और उसके लिए झूठ बोलना असंभव बात है, "दो बातें दृढ़ है, परमेश्वर के लिए झूठ बोलना असंभव है।" उसके पास चाबियां थीं। यीशु ने उसे चाबियां दी। जब वो तीसरे दिन पर—पर जी उठा इस तरह, उसके पास मृत्यु और अधोलोक की चाबियां थीं, लेकिन राज्य की कुंजियाँ नहीं थीं। पतरस के पास थी! यह बिल्कुल सही है।

175 और अब देखो, पतरस, तेरे बग़ल में चाबियां लटकी हुई हैं, और तू प्रचार कर रहा है। सवाल आता है, नयी कलीसिया के परिवर्तित हुए पहले लोग। प्रारंभिक मसीही कलीसिया। अब कैथोलिक, अब बैपटिस्ट, मेथोडिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, क्या आप न्यू चर्च की शिक्षा पर हैं? देखे कि क्या आप हैं।

> ... लोगो *और भाइयों, हम क्या कर* सकते *हैं?*
>
> ... *पतरस* खड़ा हुआ और *कहा... पश्चाताप करो,... तुम में से हर एक जन...* (वहां देखो, लड़के, जिस तरह से तुम उन चाबियों को यहाँ पर रखोगे, मसीह इसे स्वर्ग में रखेगा) ... तुम में से हर एक जन *पश्चाताप करो,* और *यीशु मसीह के नाम में* बपतिस्मा लो... (इसी तरह से आप इसमें शामिल होते हैं) ... *अपने पापों के क्षमा के लिए, और* तुम *पवित्र आत्मा के दान को पाओगे।*

176 चाबियां चली गईं "क्लिक" यहाँ पर, और ये चली गयी "क्लिक" वहाँ पर। यही वो कारण है कि यूहन्ना के चेलो को आकर और यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा लेना था (इससे पहले कि वे स्वर्ग में जा सकें), पवित्र आत्मा को पा ले। उसने उसके वचन का पालन किया। तो अब यह आपको उलझन में नहीं डालता है, क्या ये डालता है? समझे? निश्चित रूप से, मत्ती 28:19 शीर्षक थे, नाम नहीं।

177 तो ठीक है, हमारे पास और कितना समय है? क्या हमारे पास कुछ और प्रश्नों के उत्तर देने के लिए पंद्रह मिनट और हो सकते हैं? क्या हम ले सकते हैं? तो ठीक है, हम जल्दी करेंगे। मेरे आपस यहाँ सबसे नीचे दो प्रश्न है, मैं जल्दी से लेना चाहता था, यदि मैं ले सकता, तो ठीक इसके साथ ले लेता। तब मैं उनमें से बाकी रविवार सुबह को ले सकता हूं।

57. क्या कैन सर्प के वंश का था? (यह एक अच्छा प्रश्न है।) **यदि ऐसा है, आदम उसके पास जाने के बाद तक, हव्वा गर्भवती क्यों नहीं हुई?**

वही... अगला प्रश्न उसी तरह से है:

58. क्या यह एक—एक वास्तविक पेड़ था जिसमें से हव्वा ने फल खाया? उसने देखा कि यह खाने के लिए अच्छा है।

178 तो ठीक है, भाई, बहन, जो भी ये था, आइए उत्पत्ति में वापस जाएं और यहां पर कुछ तो पता लगायेंगे। यदि आप चाहें, तो आइए उत्पत्ति 3:8 को देखें। तो ठीक है, और अब ध्यान से सुनना।

179 अब, मैं कहानी को सामने लाऊंगा। वह सब शुद्ध और पवित्र था, उस में न कोई पाप था और न कोई मलिनता थी। अब मैं लूंगा... आपका... यह पहला प्रश्न पहले लूंगा। जीवन में का पेड़... बगीचे के बीच में, पेड़ के बीच में। वो *पेड़* "वो स्त्री," थी। अब मैं वचनों के द्वारा आपको यह साबित करूंगा यदि आप बस कुछ मिनटों के लिए धीरज रखेंगे।

180 हम पहले लेंगे कि वह थी... क्या वह आदम को जानने से पहले गर्भवती हुई या नहीं, या इससे पहले... सुनना:

> *और उन्होंने बगीचे में प्रभु परमेश्वर की चलने की आवाज़ को सुना,* और *दिन के ठंडे समय में: और आदम और उसकी पत्नी ने बगीचे के पेड़ो के* बीच *प्रभु परमेश्वर की उपस्थिति से अपने आप को छिपा लिया।*
>
> *और प्रभु ने... आदम को बुलाया, और कहा... तू कहां है?*
>
> *और उसने कहा, मैंने तेरी आवाज़ को बगीचे में सुना, और मैं डर गया था, क्योंकि मैं नंगा था;...* (अब, वो नहीं जानता था कि एक दिन पहले; कुछ तो घटित हुआ था, उसे कुछ तो पता चला कि वह नग्न था) और *मैंने खुद को छिपा लिया।*
>
> *और उस ने कहा, तुझे किसने बताया कि तू नग्न* था*? क्या तू ने उस पेड़ का फल खाया है,... ?*

181 पेड़ के फल खाने से उसे एहसास करवाया कि वह नग्न था? जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, (यह कोई मजाक नहीं है, मेरा अर्थ मजाक के लिए नहीं है) "लेकिन यदि सेब खाने से महिलाओं को एहसास होता है कि वे नग्न हैं, तो बेहतर होगा कि फिर से हम सेब को बांट दे।" देखना? यह एक नग्न नहीं था। यह एक पेड़ नहीं था, एक सेब जिसे वे खाते हैं, यह यौनसंबंध था। देखो:

... जिस पेड़ के फल के विषय मैं ने तुझे खाने से मना किया क्या तू ने उसका फल खाया है?

और आदम ने कहा, जिस स्त्री को तू ने मेरे संग रहने को दिया है, *उसी ने... उस पेड़ का फल मुझे दिया, और मैं ने खाया।*

तब यहोवा... ने उस स्त्री से कहा, तू ने यह क्या *किया है? स्त्री ने कहा, सर्प ने मुझे बहका दिया,...* (हुंह?)... *सर्प ने मुझे बहका दिया, तब मैं ने खाया।* (गर्भ धारण करने से बहुत पहले, देखो, आदम के द्वारा)

182 आदम उसके पास गया, और वह गर्भवती हुई और उत्पन्न किया—और हाबिल को उत्पन्न किया।

183 लेकिन मैं आपसे सिर्फ शब्द प्रति शब्द दृष्टिकोण से पूछना चाहता हूं। अब आपको यह साबित करने के लिए कि वह पेड़ था, प्रत्येक स्त्री एक फल दायक पेड़ है। कितने लोगों को यह पता है? क्या आप अपनी माँ का फल नहीं हो? निश्चय ही, आप हो। "और फल के बीच में, मतलब पेड़ के बीच में, वह फल जिसे वो नहीं छूती।"

184 यदि आप ध्यान दें, क्या यीशु जीवन का पेड़ नहीं था? क्या उसने संत मत्ती, या संत यूहन्ना, 6ठवे अध्याय में प्रतिज्ञा नहीं की थी, "मैं जीवन की रोटी हूँ जो स्वर्ग से परमेश्वर की ओर से आयी है"?

185 यदि कोई पुरुष स्त्री से खाता... और देखो, जन्म के माध्यम से... स्त्री के द्वारा जन्म लेने से हम सब मरते हैं; क्योंकि हम मृत्यु के अधीन हैं (क्या यह सही है?) स्त्री के द्वारा जन्म लेने से। पुरुष के द्वारा जन्म लेने से, हम सभी हमेशा के लिए जीवित रहते हैं। स्त्री मृत्यु का पेड़ है, पुरुष जीवन का पेड़ है; क्योंकि यहाँ तक स्त्री उस में जीवन को लिए हुए होती भी नहीं है। यह बिल्कुल सही है। वो—वो जीवन का जीवाणु पुरुष में से आता है, सही तरह से। स्त्री के अंदर जाता है, और स्त्री एक शिशु को जीवित रखने की मशीन के अलावा कुछ नहीं है; और बच्चा जुड़ा नहीं होता है, केवल नाभि के तंतु से। माँ के लहू का एक कण भी बच्चे में नहीं होता है; उसके लहू में जन्म लेता है, लेकिन बच्चे *में* उसके लहू का एक कण भी नहीं होता है। जाकर पता करे... या डॉक्टर की किताब पढ़ें, या अपने डॉक्टर से पूछें, आप देखेंगे। यह वहाँ नहीं होता है, नहीं, श्रीमान, इसका बिल्कुल एक कण

भी नहीं होता है। वो सिर्फ अंडा ही है, बस इतना ही। और जीवन पुरुष से आता है।

186 यह दिखाने के लिए एक सुंदर नमूना है कि स्त्री के जरिये से, स्वाभाविक जन्म के जरिये से, हम सभी को मरना है, क्योंकि हम आरंभ से ही मरे हुए हैं; और केवल उस पुरुष मसीह यीशु के द्वारा ही हम जीवित रह सकते हैं। और वहां अदन के बगीचे में दो पेड़ हैं। क्या आप इसे नहीं देख सकते?

187 और देखो! और उस दिन इस पेड़ पर एक करूब पहरा देता था। कि यदि उन्होंने कभी उस जीवन के पेड़ का स्वाद चखा, तो वे सभी हमेशा के लिए जीवित रहेंगे। कितने लोगों को यह पता है? वे सभी हमेशा जीवित रहेंगे। और पहली बार उन्होंने इसका स्वाद चखा... दूत ने कहा, "हम इसका पहरा देंगे।" और वहाँ उन्होंने पूर्व की ओर उन अग्निमय तलवारों के साथ करूबों को उसका पहरा देने के लिये रखा। वे इसे वापस पूर्व की ओर ले गए, और उस पेड़ की अग्निमय तलवारों से रक्षा की ताकि वे इसे अंदर आकर इसे ना ले सके (इस पेड़ से)।

188 और जब यीशु आया, तो उसने कहा, "मैं जीवन की रोटी हूं, कि जो मनुष्य इस रोटी को खाता है वह कभी न मरेगा।" वहां पर आपका पेड़ है।

189 वहाँ आपकी स्त्री है, वहाँ आपकी यौन–क्रिया है जो मृत्यु लाती है। जैसे निश्चित रूप से एक यौन इच्छा होती है, वहां उसके द्वारा मृत्यु को लाती है। और जितना निश्चित वहां एक आत्मिक जन्म है, वहां उसके द्वारा अनन्त जीवन आता है। स्त्री के जन्म के द्वारा मृत्यु आती है, और पुरुष के जन्म के द्वारा जीवन मिलता है। आमीन! वहां आप हैं।

190 अब कैन को वापस लेते हैं। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि वह आत्मा और वह नीचता कहाँ से आती है? यदि कैन... देखो, यदि कैन आदम का पुत्र था जो परमेश्वर का पुत्र था, तो वह दुष्टता कहां से आई? पहली चीज जब उसका जन्म हुआ तो उसने घृणा की, वह हत्यारा था, वह ईर्ष्या रखने वाला था। और अब उसके पिता का स्वभाव लें, बहुत पहले आरंभ में ही, लूसिफ़र, और वह आरंभ में था... वह मिकाएल से ईर्ष्या कर रहा था, जिसने सारी परेशानी को आरंभ किया। कितने लोगों को यह पता है? और कैन के पास अपने पिता का स्वभाव था, जिससे उसने अपने भाई से ईर्ष्या की और उसे मार डाला। वह शुद्ध... वह स्वभाव उस शुद्ध धारा से बाहर

नहीं आ सकता। ये आया... इसे इस दूषित धारा में से बाहर आना था। और कैन पर ध्यान दें, जैसे ही उसने जन्म लिया था।

191 और उसके बाद हाबिल का जन्म हुआ, था, फिर वह आदम से गर्भवती हुई, और वह उसके पास—वह उसके पास गया और उसने पुत्र हाबिल को उत्पन्न किया। और हाबिल मसीह का एक नमूना था; और जब—जब हाबिल मारा गया, तब शेत ने उसका स्थान लिया; मसीह की मृत्यु, गाड़ा जाना और पुनरूत्थान, प्रतिछाया में।

192 लेकिन, अब, कैन ने आराधना की; उसके सारे शारीरिक कार्य, जो बस आज की शारीरिक कलीसिया की तरह है: वे कलीसिया जाते हैं, वे आराधना करते हैं। कैन ने आराधना की; वह एक विधर्मी नहीं था, वह साम्यवादी नहीं था। कैन एक विश्वासी था; वह परमेश्वर के पास गया, उसने एक वेदी बनाई। उसने वो सब धार्मिक कार्य को किया जो हाबिल ने किया था, लेकिन उसके पास परमेश्वर की इच्छा का आत्मिक प्रकाशन नहीं था। प्रभु का नाम धन्य हो! वहां आप हैं। आप इसे देखते है? उसके पास आत्मिक प्रकाशन नहीं था, और आज कलीसिया के साथ भी यही मामला है। और यीशु ने कहा कि वह उस आत्मिक प्रकाशन पर अपनी कलीसिया को बनाएगा। आपने इसे समझा? ओह, प्रभु, अब आपकी आंखें खुल सकती हैं। देखो, आत्मिक प्रकाशन।

193 कैन आया: उसने एक वेदी बनाई, उसने आराधना की, उसने बलिदान लाया, उसने घुटने टेके, उसने परमेश्वर की स्तुति की, उसने परमेश्वर की आराधना की, उसने वह सब किया जो धार्मिक रूप से हाबिल ने किया। और परमेश्वर ने उसे स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया क्योंकि उसके पास आत्मिक प्रकाशन नहीं था!

194 कैन की उसी क्रम में से आते हुए: सीधे सन्दूक में से होते हुए, सन्दूक से सीधे इस्राएल में, इस्राएल से ठीक आगे यीशु में, और यीशु से ठीक आगे आज के दिन तक; और देखो कि यदि वह शारीरिक, मौलिक सिद्धांत की कलीसिया, कठोर और हठी, विद्वान, मेरा मतलब उन लोगों से है जिनके पास वचन हैं, जो सभी सिद्धांतों और धर्मज्ञान को जानते हैं, वे इसे समझा सकते है, लड़के, बिल्कुल *इसके* जैसे, लेकिन बिना आत्मिक प्रकाशन के! [भाई ब्रंहम अपनी उंगलियों से चुटकी बजाते है—सम्पा।] यह सही बात है। यही कैन की शिक्षा है।

195 बाईबल ने कहा, “उन पर हाय! क्योंकि वे कैन की शिक्षा पर चले, और बिलाम की सी गलतियों में दौड़े, और कोरह के कहने से नाश हुए।” यहूदा की उसी किताब में, उसने कहा, “वे इस दोष के लिए पहले से ठहराये गये थे।” निश्चित रूप से, वे हैं। देखा? बालाम क्या था? वह एक बिशप था। सारी कलीसिया के वो ऊपर था। वह वहां उतना ही मौलिक सिद्धांत से ऊपर आया जितना वह आ सकता था। उसने भेंट... उसे वहां ऊपर प्रसिद्ध लोगों में खड़े होते हुए देखें, वहां उनके महान प्रसिद्ध लोगों में खड़े होते हुए। और वे अविश्वासी नहीं थे, वे विश्वासी थे।

196 यह—यह मोआब का गोत्र लूत की बेटी में से आया था। लूत जो रहता था... लूत की बेटी जो अपने पिता के साथ रहती थी, और गर्भवती हुई और उसको एक बालक हुआ, और वह बालक... मोआब के गोत्र से जन्मा था। और वे एक बड़े संप्रदाय थे। बड़े, सजे हुए लोग, और उनके पास राजकुमार और राजा और प्रसिद्ध लोग थे। उनके पास बिशप और कार्डिनल और सब कुछ था।

197 और यहाँ पवित्र शोर–शराबा करने वालो लोगों का एक समूह ऊपर आता है, दूसरा झुण्ड, इस्राएल; एक छोटा सा झुण्ड जो संप्रदाय नहीं था, अंतर–संप्रदाय था। और उन्होंने वह सब कुछ किया जो मानचित्र पर किया जाना था, बुरा भी। लेकिन यह क्या था, उनके पास आत्मिक प्रकाशन था, और परमेश्वर उनके साथ आग के खंभे में था।

198 ओह, मैं—मैं जानता हूँ कि उनके पास शारीरिक बातें थीं, और लोगों ने कहा, “ये इस तरह के हवाओं का एक स्तंभ है, उन्हें बाहर निकालने के अलावा कुछ नहीं करना है।” लेकिन उनके पास आत्मिक प्रकाशन था, और उनके पास एक प्रहार की हुई चट्टान थी, उनके पास एक पीतल का सांप था, उनके पास आग का एक खम्भा था जो उनके साथ–साथ जा रहा था। हाल्लेलुय्या! मैं जानता हूं आप—आप सोचते होंगे कि मैं उत्साहित हूं, लेकिन मैं नहीं हूं। मैं बस अच्छा महसूस कर रहा है।

199 ध्यान दे! जब मैं सोचता हूं, “वही परमेश्वर आज हमारे साथ रहता है।” यह अब भी वचन का आत्मिक प्रकाशन है। निश्चिय ही, यह है। यह अनंत रूप से सही है। प्रभु का नाम धन्य हो! जी हां, श्रीमान।

200 यहाँ पर वो वहाँ खड़ा हुआ था, मौलिक सिद्धांत; उन बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन लोगों का झुंड पहाड़ी पर खड़ा हो गया, और वहां अपने

बिशप को ले आये। और वे बस उतने ही धार्मिक थे, और उसी प्रकार के धर्म, उन्होंने उसी परमेश्वर की आराधना की। उन्होंने कहा, "नीचे उस कचरे के ढेर को देखो। क्यों, उनके पास एक भी संप्रदाय नहीं है। वे डींग मारने, चीखने–चिल्लाने, पवित्र शोर–शराबा करने वाले झुंड के अलावा कुछ नहीं हैं।"

201 क्या यह सही है? बिल्कुल सही, वे थे। यदि आप विश्वास नहीं करते हैं कि वे पवित्र शोर–शराबा करने वाले थे, उत्पत्ति में वापस देखे और पता करें कि जब उन्होंने पार किया। और एक अद्भुत कार्य किया गया था, और मरियम ने एक डफ लिया और उसे बजाते हुए किनारे पर गई; वो आत्मा में नाच रही थी, और मूसा आत्मा में गा रहा था। क्या वह एक झुण्ड नहीं है जिसे हम कहते हैं आज़ाद... पवित्र शोर–शराबा करने वाले, मैं नहीं जानता कि क्या है; गाना और कूदना और स्तुति करना। और राष्ट्रों के लोगो ने उन से हमेशा ही बैर किया है, लेकिन परमेश्वर उनके संग था। उनके पास आत्मिक प्रकाशन था, वे आग के उस खंभे के पीछे–पीछे चल रहे थे।

202 और मोआब ने कहा, "अब, यहाँ देखो। हम सारे कार्डिनल्स और सारे बिशपों को बुलाएंगे, और सारे प्रेस्बिटेर, और उन्हें यहाँ ले आयेंगे। हम इसके विषय में कुछ तो करेंगे, क्योंकि हम एक धार्मिक राष्ट्र हैं। हम उस मत प्रचार को अपने उत्तम संप्रदाय में मिश्रित नहीं होने देंगे।"

203 और इसलिए उन्होंने उन्हें वहां ले आये। और उन्होंने बारह वेदियां बनाईं; इस्राएल के पास बिल्कुल ठीक वैसी ही बारह वेदियां थीं। उन्होंने उस पर बारह बलिदान रखे, बैल; बिल्कुल ठीक वाही जो इस्राएल के पास था, जो परमेश्वर की मांग थी। उन्होंने उस पर बारह भेड़ें रखीं, जो प्रभु यीशु मसीह के आगमन को दर्शा रहे थे; दोनों स्थानो पर बारह भेड़ें।

204 सारे प्रसिद्ध लोग, बिशप और सभी, आसपास खड़े हुए थे। उन्होंने बलिदान को प्रज्वलित किया। उन्होंने प्रार्थना की, यहोवा की ओर हाथ उठाकर और कहा, "हे यहोवा, हमारी सुन!" वे क्या करने की कोशिश कर रहे थे? और उनका पुराना बालाम इस तरह से आगे निकल गया, और आत्मा उस पर उतर आया। निश्चय ही (लेकिन वो एक शारीरिक था)।

205 आत्मा ढोंगी पर उतर सकती है, बाईबल कहती है। अब आपने मुझे इसकी शिक्षा देते हुए सुना है। "बारिश धर्मी और अधर्मी पर पड़ती है।"

लेकिन इसकी तुलना वचन के साथ होना है, यही है जहाँ आप इसे देख सकते हैं।

206 उसके बाद जब उसने किया, और... जब आत्मा, हालांकि, उस पर था सच्चाई को बताया, उसने इस्राएल को शाप देने की कोशिश की, और उसने इस्राएल को आशीष दिया।

207 अब, यदि परमेश्वर केवल एक अच्छी कलीसिया, और एक अच्छे बिशप, और एक अद्भुत पास्टर का आदर करता है, लोगों का एक विद्वान झुंड, तो वह उस बलिदान को स्वीकार करने के लिए कर्तव्य से बंधा हुआ था, क्योंकि वह बस मौलिक सिद्धांत रूप से उतना ही सही था जितना कि इस्राएल सही था; लेकिन उसके पास वचन का आत्मिक प्रकाशन नहीं था और ना ही परमेश्वर की इच्छा थी। आप वहां हैं, आज यही वो अंतर है।

208 यीशु की ओर देखो। उन्होंने कहा, "उस व्यक्ति से दूर रहो। हम जानते हैं कि वो एक सामरी है। वो पागल है। क्या तुम हमें सिखाओगे? खैर, तुम तो व्यभिचार में जन्मे थे। तुम कुछ भी नहीं थे सिवाये एक नाजायज बालक के। तुम्हारा पिता कौन है? परमेश्वर को अपना पिता कहते हो, तुम ईश्-निन्दा करने वाले हो! क्यों, तुम्हारा हमें बताने का अर्थ हैं? हम प्रचारक रहे हैं, हम बिशप रहे हैं; शुरू से ही अब तक हमारे पूर्व-पूर्व-पूर्व-पूर्व-पूर्व-पूर्व-पूर्व-परदादा प्रचारक और बिशप थे। हम कलीसिया में जन्मे और पले-बढ़े है। हम सबसे उच्च धर्म विद्यालयों में से होकर आये हैं। हम अक्षर दर अक्षर हर एक वचन को जानते हैं। और तुम हमें सिखाने की कोशिश कर रहे हो? तुम कहीं पर कभी स्कूल गए हो? तुम्हे यह शिक्षा कहाँ से मिली?"

209 उसने कहा, "तुम... तुम्हारे पिता शैतान से हो," यीशु ने कहा।

210 उनके बीच कोई चिन्ह और अद्भुत कार्य नहीं थे। उनके बीच कोई दिव्य चंगाई और चीजें नहीं थीं। उनके बीच कोई आशीषे नहीं थी। लेकिन यीशु पूरी तरह से वचनों का आत्मिक प्रकाशन था।

211 उन्होंने कहा, "क्यों, ये *ऐसा-और-ऐसा* लिखा है।"

212 और यीशु ने कहा, "हाँ, और ऐसा भी लिखा है।" लेकिन परमेश्वर ने अपने चिन्हों के द्वारा उसके मनुष्य को प्रमाणित किया।

213 पतरस ने उसी बात को कहा, प्रेरितों के काम 2 में, उसने कहा, “तुम इस्राएल के लोगों; नासरत का यीशु, तुम्हारे बीच में परमेश्वर का स्वीकृत किया हुआ मनुष्य था, उन चिह्नों और अद्भुत कार्यों के साथ जो परमेश्वर ने उसके द्वारा तुम्हारे बीच में किए, और जिन्हें तुम आप ही जानते हो।” (वहां आप हैं) “उसे वहां... उसके द्वारा... सैन्हेद्रिन या महासभा परिषद द्वारा सौंपा जा रहा है। लेकिन परमेश्वर के पूर्वज्ञान के द्वारा, परमेश्वर ने उसे इस मृत्यु से मरने के लिए पहले से ठहराया है। तुमने उसे क्रूर और दुष्ट हाथों से पकड़वाया है। तूमने जीवन के राजकुमार को क्रूस पर चढ़ाया, जिसे परमेश्वर ने जिला कर खड़ा किया। और हम इसके गवाह हैं।”

214 व्यूह, क्या ही प्रचारक है! नहीं... वह अपने यहां तक अपने नाम का हस्ताक्षर भी नहीं कर सकता था, लेकिन वह परमेश्वर को जानता था। उन्होंने कहा उन्होंने “उस पर ध्यान दिया कि वह यीशु के साथ रहा था।” निश्चित रूप से, यह एक आत्मिक प्नकाशन है। ओह, प्रभु। अब, आप वहाँ हो।

215 कैन ठीक उसी क्रम में था, वो शारीरिक कलीसिया आज भी उसी क्रम में है। आत्मिक कलीसिया के पास अब भी अग्नि का खंभा है, अब भी चिन्ह हैं, अद्भुत कार्य हैं, अब भी वही मसीह है; जो वहां मरते हुए मेमने से होते हुए प्रमाणित करता है, और अदन के बगीचे में, मेमने के दूसरे आगमन तक। पूरी तरह से, वो कल, आज और युगानुयुग एक सा है।

216 और कैन के उस क्रम में, धार्मिक और चमकाए हुए और विद्वान, ठीक आगे तक वैसे ही है; बस वैसे ही है, हर एक दिन बस वैसे ही है। निन्दा करनेवाले और सतानेवाले, जैसे कैन हाबिल के थे, वैसे ही आज भी हैं, और वैसे ही रहे है और हमेशा रहेंगे; शारीरिक, अविश्वासी। यह सही है।

217 अब उत्पत्ति 3:8, और मैंने 20 को भी यहाँ लिखा है, मैं थोड़ी देर पहले देख रहा था:

> *और आदम ने बुलाया... और आदम ने अपनी* पत्नी *को बुलाया... हव्वा; क्योंकि वह सब जीवितो की माता थी।* (देखो, यह तब हुआ जब इस बहकाने के कार्य ने जगह ले लिया था)

218 कैन... “अब रुकना!” आप कहते है, “भला कैसे एक सर्प, एक सांप हो सकता है? ”

219 लेकिन, भाई, यहाँ पर देखो, बाईबल यह नहीं कहती कि वो एक सर्प था; बाईबल ने कहा, "वह मैदान के सभी पशुओं में सबसे धूर्त था।" वह एक रेंगने वाला जन्तु नहीं था, वह एक पशु था। वो एक... और वहाँ...

220 और यदि आप चाहें तो मैं आपको इसे हमारे बीच एक छोटे से चिन्ह के रूप में दूंगा। यही है जहाँ पूरा विज्ञान उलझा हुआ है। मनुष्य के सबसे नजदीकी मिलती जुलती चीज जिसे वे पा सकते हैं, वो है चिंपांज़ी। कितने लोग यह जानते है? लेकिन वहाँ पर बीच में कुछ तो है। वे चिंपांज़ी की हड्डियों को मनुष्य की हड्डियों से नहीं मिला सकते, फिर भी यह सबसे नजदीकी चीज है। वे उसे मेंढक का बच्चे से उठा सकते हैं। वे उसे एक मेढक से उठा सकते हैं। वे उसे जानवर और हर एक जानवर तक ला सकते हैं। वे उसे भालू से उठा सकते हैं। आप एक भालू को ले और उसकी खाल को खींच ले, यह बिल्कुल एक छोटी महिला की तरह ही होता है। बिल्कुल वही चीज। वापस उसे ले और हर एक चीज, उन्हें वहाँ खड़ा करे, और जाकर महिला को ऐसे... महिला को इस तरह खड़ा करें। यह बिल्कुल वैसी ही होती है जैसे कि एक—जैसे कि एक—एक भालू हो। पैर वैसे ही चलते है, और हाथ ऐसे ही चलते है, बिल्कुल मनुष्य जाति की तरह। लेकिन एक चिंपांज़ी उससे भी ज्यादा नजदीकी होता है। यह लगभग वैसा ही है, लेकिन वे इसे नहीं पा सकते है।

221 यहां थोड़ा रहस्य है, यदि आप इसे जानना चाहते हैं। आप जानते हैं कि यह कहाँ पर है? यह उनसे छिपा हुआ है। वे जितनी चाहें उतनी हड्डियाँ खोद सकते हैं। वे खोद सकते हैं... तराशने वाले खोद सकते हैं, और विज्ञान, और यह—और कालक्रम विज्ञान परमाणु माप से समय के तराजू को माप सकते हैं, लेकिन वे इसे कभी नहीं पकड़ पाएंगे। क्योंकि यह तो सर्प था जो धरती पर किसी भी और चीज से बढ़कर मनुष्य के समान था, और परमेश्वर ने उसे शाप दिया और उसके पेट पर डाल दिया, और अब वो एक ऐसे सर्प में बदल गया जो मनुष्य की समानता में नहीं जान पड़ता था। अब बस वैज्ञानिक लोग अपने सिर को खुजाते है, और उन्हें कुछ समय के लिए ऐसा करने दें।

222 लेकिन बाईबल यह घोषणा करती है, "वह मैदान के सभी पशुओं में सबसे धूर्त था।" यह सही है। वो वह जोड़ था जो मनुष्य और बंदर के बीच खड़ा होता है, और परमेश्वर ने उसे शाप दिया और उसे उसके पेट के

बल गिरा दिया उस—उस बात की वजह से जो उसने की थी। और उस ने उस स्त्री को बहकाया, और उस से उस स्त्री को पहला पुत्र कैन उत्पन्न हुआ, जो सर्प की खुद की प्रेरणा के स्वभाव के अनुसार था, वो शैतान, जो सर्प में समा गया, उसने ऐसा किया।

223 और वह गर्भवती हुई और जन्म दिया, वह फिर से गर्भवती हुई, उसके बहकाये जाने के बाद। अब देखो, वो बहकायी गयी, वह लगभग... तो, उसने गलत किया। लेकिन वो, सचमुच, जब वह अपने पति के द्वारा गर्भवती हुई तो वह वैध या उचित था, इसके लिए हो सकता है कई, कई, कई महीनों और कई दिनों के बाद हुआ होगा; आप इसे नहीं बता सकते है, हम नहीं जानते, लेकिन उसने आदम की ओर से उत्पन्न किया।

224 और किसी के पास ये सवाल भी था, कहा, "तो ठीक है, पुत्र... उसने कहा कि वह जा रही थी... जैसे ही कैन का जन्म हुआ, उसने कहा 'उसे प्रभु की ओर से एक पुत्र मिला है।"' बिल्कुल, निश्चित रूप से, ऐसा होना ही था। यह प्रकृति का नियम था। बस ठीक उसी तरह जैसे आप आज हैं। जब आप जन्म लेते हैं, तो परमेश्वर नीचे आकर और आपको नहीं बनाता है। आप अपने पिता और माता के एक वंशज हैं। और आप एक... वहाँ एक... आपके बच्चे आपके वंशज होंगे। यह हर समय एक पुन:उत्पादन है, ठीक आगे तक, जैसे बीज पेड़ और ऐसी ही चीज़ें; लेकिन मूल पर वापस आती है। मैं आशा करता हूं कि यह वर्णन करता है।

225 हमारे पास कितना समय है? और अधिक समय नहीं है। आगे के लिए इस एक अच्छे वाले को सुनिए... हम रविवार को ले लेंगे: "एक ही आत्मा के द्वारा हम सब का एक देह में बपतिस्मा हुआ है... " (हम यह जानना चाहते हैं।) "... मसीह।" उस समय पर... अब, मैं सोचता हूं कि मैं कुछ वचनों को लूं, उस पर अच्छे वचन [भाई ब्रंहम इसका उत्तर भाग 2, प्रश्न 60 में देते हैं—सम्पा।]।

226 यहाँ एक अच्छा प्रश्न है, बस जैसे... क्या आप इसका उत्तर देने के लिए सिर्फ एक या दो मिनट मुझे और सहन करेंगे? यह अपने आप के लिए उत्तर दे सकता है।

59. जब—जब आप कहते हैं "दुष्ट अनंतता के लिए नहीं जलेंगे,"... (तो ठीक है, अब मैंने यहोवा विटनेस को भागने को लगाया है, क्या मैंने नहीं किया है?) **... जब आप कहते हैं कि दुष्ट अनंतता के लिए नहीं**

जलेंगे, तो क्या आपका मतलब नरक में है या आग की झील में है? मैं जानता हूँ कि यह प्रकाशितवाक्य में बताता है (यह 20वां अध्याय है) **कि नरक को आग की झील में डाला जाएगा। यदि वे अनंतता के लिए नहीं जलते है, तो उनका क्या होता है?**

227 जैसा कि मैंने अभी इसमें से होकर बताया है, भाई या बहन, ये जो कोई भी था; वे विलुप्त हो जाते हैं, उनके लिए और कुछ नहीं है। उनकी एक शुरुवात थी, और वहां उनका अंत होता है; वे बस अब और नहीं हैं। कैसे... वे कब तक जलेंगे, यह कहना थोडा कठिन है। लेकिन, देखो, वहाँ...

228 यदि आप बस इसे अपने मन में बैठा सकते हैं, देखो, तो यह बहुत ही सरल है। वहां लेकिन केवल एक ही प्रकार का अनन्त जीवन है, और वह स्वयं परमेश्वर के द्वारा आता है। और केवल परमेश्वर ही अनन्त जीवन है। यदि आप यहाँ शब्दकोष में जायेंगे, तो ग्रीक शब्द *जोई* को देखें। *जोई* “अनन्त जीवन” होता है। *अनन्त जीवन* “परमेश्वर” है। और यीशु ने कहा, “मैं उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ।” और यदि आप यहाँ शब्दकोष को देखेंगे, तो उसने कहा, “जोई।” वहां पर केवल यही वो अनंत जीवन है। बाईबल में ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ यह कभी बताता हो कि वहां अनन्त नरक होगा, यह कहता है कि वे जलेंगे “हमेशा और हमेशा के लिए।”

229 अब, उस शब्द *हमेशा* को ले, *युगों* की ओर देखें। क्या आपने *यहाँ* बाईबल में ध्यान दिया? कितने लोगों ने कभी यह कहते सुना है, “और युगों और यु–... ”? कितने लोग जानते हैं कि *युगों* “एक समय की अवधी” होता है? क्यों, निश्चित रूप से, हर कोई जानता है कि *युगों* “एक समय की अवधी” है।

230 “और वे युगों–युगों तक जलते रहेंगे,” यह समय की अवधी है। “आग की झील में डाल दो, और युगों युगों तक जलता रहेगा।” *युगों* का अर्थ है “समय की अवधी।” वे हो सकता है दंड में सौ करोड़ वर्षो तक जले लेकिन, अंत में, उन्हें समापन तक आना ही है; पूरी तरह से विलुप्त होने के लिए। देखिए, क्योंकि हर एक चीज जो सिद्ध नहीं है वह सिद्ध का बिगड़ा हुआ रूप है; और उसका एक आरंभ था, इसलिए उसका अवश्य ही अंत होगा।

231 लेकिन हम जो विश्वास करते हैं प्रभु यीशु मसीह के पास *जोई* है, “परमेश्वर का खुद का जीवन” हम में है, और अनन्त जीवन है। हमेशा

और हमेशा के लिए जीवन नहीं है, पापी के पास हमेशा और हमेशा के लिए जीवन होता है, लेकिन हमारे पास "अनंत जीवन" है।

232 भाई कॉक्स, ज्यादा समय नहीं हुआ, मेरे मार्ग पर बैठे हुए थे इससे पहले हम... उसके बाद हमारे पास वहां पत्थर थे, और उसने एक छोटा से, पुराने जीवाश्म को उठाया, और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, यह कितना पुराना है? "

233 "ओह, " मैंने कहा, "कालक्रम विज्ञान के रूप से, आप कह सकते हैं कि यह दस हजार वर्ष पुराना है। किसी प्रकार का एक छोटा, पुराना समुद्री दैत्य जो एक समय में रहता था, एक छोटा समुद्री जानवर, हो सकता है कि बीते युगों में वे बहुत पहले ही रहता हों।"

234 उसने कहा, "जरा सोचिए कि मनुष्य जीवन *उस* जीवन से कितना छोटा है।"

235 मैंने कहा, "ओह, लेकिन, भाई, उस चीज़ का एक अंत है, लेकिन मसीह में हमारे पास जो जीवन है उसका कोई अंत नहीं है। वह हो सकता है *हमेशा के लिए* दो या तीन जीवित रहे, लेकिन इसके पास अनन्त जीवन कभी नहीं होगा, क्योंकि अनन्त जीवन केवल परमेश्वर से ही आता है।"

236 अनंत, "जो मेरे वचनों को सुनता है और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है और वह **कभी** भी न्याय में नहीं आएगा लेकिन मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चूका है।" वहाँ आप हो, तुम विश्वासी होने के द्वारा अनन्त जीवन को पाते हो। एक अविश्वासी के पास हमेशा का जीवन होता है। एक अनंत... एक विश्वासी के पास अनन्त जीवन होता है, और वह नाश नहीं हो सकता क्योंकि यह अनंत है।

237 लेकिन एक विश्वासी, वह जाएगा... एक अविश्वासी दुनिया में से होते हुए जाएगा, उसके पास कष्ट, दुख होंगे; जिसे वो बड़ा अच्छा समय कहते हैं, "वाह, एक बढ़िया समय है।" महिलाएं, शराब, और बढ़िया समय, वह सोचता है कि वह आगे जा रहा है। वह मर जाएगा, वह आग और गंधक की झील में चला जाएगा जो जलता है, जहां जलना हमेशा और हमेशा के लिए जारी रहता है, और हो सकता है सौ मिलियन वर्षों तक उसका प्राण को हो सकता है आग और गंधक की झील में पीड़ित हो।

238 मैं... आप कहते हैं, "क्या तब यह नियमित गंधक की तरह ही होगा? " मैं सोचता हूं कि यह उससे भी लाखो गुना बदतर होगा। मैं सोचता हूं कि

आप इसे आग से, वास्तविक आग से वर्णन नहीं कर सकते। एक ही कारण से यह लिखा गया है "आग के द्वारा," क्योंकि यह आग हमारे पास सबसे अधिक भस्म करने वाली चीज है। यह पूरी तरह से भस्म करता है और सब कुछ नष्ट कर देता है, आग ऐसा करती है। तो ठीक है, फिर, यह वहां होगा, लेकिन आपके पास एक प्राण होगा जिसे दंडित किया जाना होगा किसी प्रकार के...

239 अब, आपको *आग* शब्द को देखना होगा, क्योंकि पवित्र आत्मा का उपयोग किया जाता है "पवित्र आत्मा और आग"; क्योंकि पवित्र आत्मा की आग पाप को जलाती है, देखो, और शुद्ध करती है।

240 लेकिन *यह* आग, यह नरक से आती है, इसे "आग की झील" कहा गया। और हमेशा यह क्या है, यह पीड़ा के साथ एक दंड है। धनी मनुष्य ने, नरक में होते हुए, अपनी आँखें ऊपर उठाईं, और कहा, "लाजर को उसकी उंगलियों पर थोड़ा सा जल देकर, मेरे होंठों पर डालने के लिए भेजें, क्योंकि यह आग की लपटें मुझे पीड़ा दे रही हैं।" यह मत सोचना कि एक जलता हुआ नरक, और एक वास्तविक नरक नहीं है, वहां है। यदि वहां एक वास्तविक शैतान है, तो वहां एक वास्तविक नरक है।

241 लेकिन, आप देखते हैं, जो कुछ भी दूषित हुआ है उसका अंत है, क्योंकि इसे अंत में परमेश्वर की उस शुद्धता और पवित्रता पर वापस आना ही है। और परमेश्वर अनंत है; और यदि हमारे पास अनंत जीवन है, परमेश्वर हम में है, और हम अब मर नहीं सकते जैसे परमेश्वर नहीं मर सकता। आप वहाँ हो।

242 अब, विषय वास्तव में अपना ही वर्णन करता है, देखो, और इसे सही बनाता है। अब, आइये देखते हैं, मेरे पास एक था... मैं नहीं जानता कि क्या... हाँ:

"क्या होगा—उनका क्या होगा?"

243 वे विलुप्त हो जाते हैं, उनके लिए अब और कुछ नहीं है: प्राण चला जाता है, आत्मा चला जाता है, जीवन चला जाता है, शरीर चला जाता है, विचार चले जाते है, स्मृति चली जाती है।

244 और वहां महिमा में यहाँ तक अब और बुरा विचार होगा भी नहीं, या यह, कभी हुआ भी नहीं होगा। यह सही है, यह सब होगा... क्या आप कल्पना कर सकते हैं, कि इस भाग में यहां लोग होंगे... ?

245 क्या बाईबल नहीं कहता, "यहाँ तक कि दुष्टों के विचार भी नष्ट हो जाएंगे"? इसके विषय में विचार ही नष्ट हो जाएंगे।

246 *यहाँ* पर एक मनुष्य होगा, *यहाँ* पर परमेश्वर महान वो एक जो पवित्र है, और यह जानते हुए कि उस ओर के एक गड्ढा है जिसमें प्राण जल रहे हैं? क्यों, यह स्वर्ग नहीं हो सकता। वही विचार, वही स्मृति, हर एक चीज जो दूषित हुई है, हर एक दुष्ट विचार, सब कुछ नष्ट हो जाएगा, और सब कुछ जो इसमें दुष्टता है। और हम कुछ भी नहीं होंगे सिवाय पवित्रता के, *ज़ोई*, परमेश्वर का जीवन; अनंत काल तक, और आगे युगों के लिए, और आगे, और आगे, और आगे; यह कभी खत्म नहीं होगा, ये अनंत होगा!

247 "वे *सनातन* दंड में चले गए, लेकिन धर्मी अनन्त जीवन में चले गए।" आपने इसे समझा? *सनातन* दंड, अनन्त जीवन, क्या ही अंतर है!

248 अब, देखो, यह नहीं... अब, मैं जानता हूं, आपके लिए, मेरे प्यारे छोटे बच्चों, मेरा—मेरा मतलब अपने आप को सब कुछ जानने वाले के रूप में पेश करने की कोशिश करना नहीं है। यदि मैं ऐसा करता हूं, ...

249 अब, मेरे पास तीन या चार और अच्छे प्रश्न हैं। मैं उन्हें रविवार सुबह को ले लूंगा, प्रभु ने चाहा तो।

250 अब, देखो। देखिए, ऐसे सवाल उठते हैं। मैं एक पुराना प्रचारक हूँ। मुझे—मुझे—मुझे—मुझे सेवकाई में छब्बीस वर्ष हुए है। और मैं—मैं इसके लिए बहुत ही आभारी हूं, कि मैं यह कह सकता हूं, मेरा... मैंने अपने जीवन में कभी भी कुछ भी सामने रखने की कोशिश नहीं की है बिना पहले इसके प्रकट हुए। और मैं बहुत आभारी हूँ कि प्रभु का दूत... मेरे पास न कोई शिक्षा थी, न योग्यता थी। और यह दूत नीचे उतर आया, और परमेश्वर की ओर से भेजी गई मेरी सहायता रही है। और उसने मुझे कभी एक बात नहीं बताई सिवाय उसके जो पूरी तरह से उत्पत्ति से प्रकाशितवाक्य तक जो कुछ जुड़ा हुआ था, ये इतना हद तक... जब उसने कहा तो मैंने तुरंत ही लिख दिया "और तुम—और तुम दिव्य चंगाई के दान को लोगे।" और मैंने इसे ठीक उसी तरह से लिख दिया जैसे उसने कहा था।

251 और लगभग तीन वर्ष के बाद, प्रबंधक ने मेरा—मेरा इस की ओर ध्यान दिलाया, कहा, "भाई ब्रंहम, क्या आपने इस पर ध्यान दिया? यह बिल्कुल ठीक वैसा ही है इतना तक कि उसने आपको बताया था 'एक दान।'"

252 देखो, ऐसा कभी नहीं कहा “विशेष दान।” और हर एक जन—हर एक जन बाईबल में... हर एक दान “विशेष दान” है लेकिन दिव्य चंगाई, और यह “एक दान” है। यह “चंगाई का दान” है। आपके पास सभी प्रकार के चंगाई के दान हो सकते हैं, विभिन्न तरह के। लेकिन, हर दूसरा “विशेष दान” है: “विशेष” भविष्यवाणी का दान, “विशेष” *इस* का दान। लेकिन दिव्य चंगाई बहुवचन में होती है: “वे दान।” और मैंने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि पवित्र आत्मा इतना सिद्ध है। ओह, प्रभु धन्य है!

253 क्या आप समझते हो कि वही पवित्र आत्मा जिसने बाईबल को लिखा था, सैकड़ों मनुष्यों के द्वारा, सैकड़ों वर्ष के अंतराल... और उनमें से एक ने भी एक को दूसरे से विभाजित नहीं किया, उनमें से हर एक जन सम्पूर्ण था; और एक ने दूसरे के बारे में यहाँ तक कभी सुना भी नहीं।

254 और पौलुस वहां गया, और वो वहां अरब में था, और चौदह वर्षों तक यरूशलेम का दौरा भी कभी नहीं किया, लेकिन यरूशलेम में वहां था और वहां... वहां गया... यरूशलेम कभी भी नहीं गया। लेकिन वहां अरब में, और प्रचार करना आरंभ किया, चौदह वर्षो तक पतरस और बाकी लोगों को कभी नहीं देखा। और जब वे एक साथ आये, तो वे एक ही बात का प्रचार कर रहे थे: यीशु मसीह के नाम में पानी का बपतिस्मा, और दिव्य चंगाई, और परमेश्वर की सामर्थ।

ओह!

मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

उनमें से एक, मैं उनमें से एक हूं,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं; (हाल्लेलुय्या!)
उनमें से एक, मैं उनमें से एक हूं,
बस बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें
से एक हूं।

वहां लगभग हर जगह लोग हैं,
जिनके हृदय पूरी तरह जल रहे हैं,

पेंटीकोस्ट में गिरी इस आग के साथ,
इसने उन्हें शुद्ध किया और साफ कर दिया;
ओह, यह अब मेरे हृदय के भीतर जल रहा है,
ओह, उसके नाम की महिमा हो!
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

वे ऊपरी कमरे में इकट्ठे हुए थे,
सभी उसके नाम में प्रार्थना कर रहे थे,
उनका पवित्र आत्मा से बपतिस्मा हुआ था,
और सेवा के लिए सामर्थ आ गई;
अब उसने उस दिन उनके लिए जो किया
वह तुम्हारे लिये भी वही करेगा,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

मैं उनमें से एक हूं, मैं उनमें से एक हूं,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं; (हाल्लेलुय्या!)
उनमें से एक, उनमें से एक,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

255 सुनो, मेरे पास आपके लिए एक छोटा सा संदेश है:

आओ, मेरे भाई, इस आशीष को मांगो
यह तुम्हारे हृदय को पाप से साफ़ करेगा,
इससे आनंद की घंटियां बजने लगेगी
और तुम्हारे प्राण को ज्वलंत रखेगा;
ओह, यह अब मेरे हृदय के भीतर जल रहा है,
ओह, उसके नाम की महिमा हो,
मैं बहुत ही खुश हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

256 क्या आप खुश नहीं हैं कि आप उनमें से एक हैं? यह क्या है? यह आत्मा है जो प्रकट करता है। यह परमेश्वर का प्रकाशन है, "इस चट्टान पर।" मैं परवाह नहीं करता यदि एक आर्कबिशप...

257 कैथोलिक याजक कुछ समय पहले मेरे घर में बैठा हुआ था। और उसने कहा, "मिस्टर ब्रंहम, मैं आपसे एक प्रश्न पूछने के लिए आया हूं।"

मैंने कहा, "अच्छी बात है, श्रीमान।"

258 कहा, "मेरे पास बिशप का एक पत्र है, जो आपके लिए है।"

मैंने कहा, "अच्छी बात है, श्रीमान।"

259 उसने कहा, "आप जो बयान देते हैं, क्या आप अपना हाथ पकड़कर और गंभीरता से शपथ खाएंगे कि आप सच बोलेंगे? "

260 मैंने कहा, "मैं नहीं करूंगा।" मैंने कहा, "बाईबल कहती है, 'बिल्कुल भी शपथ ना खाना, ना आकाश की या धरती की (क्योंकि यह उसके पैरो की चौकी है)। आपकी हां की हां और ना की ना हो। यदि बिशप सुनना चाहता है कि मुझे क्या कहना है, तो उसे इसके लिए मेरे शब्द को लेना है। यदि वह नहीं लेता है, तो मैं शपथ नहीं खाता।"

261 यह छोटा याजक यहां सेक्रेड हार्ट कलीसिया से है, उसने कहा, "क्या आपने पॉलीन फ्रेज़ियर को एक *फलां–फलां* तारीख में बपतिस्मा दिया था? "

262 मैंने कहा, "महोदय, मैंने ओहियो नदी में उसे दिया था।"

263 कहा, "आपने उसका बपतिस्मा किस प्रकार से किया? "

264 मैंने कहा, "मैंने उसे प्रभु यीशु मसीह के नाम में पानी के अंदर डुबाकर बपतिस्मा दिया।"

265 उसने इसे लिख कर रखा। कहा, "आप जानते हैं, कैथोलिक कलीसिया ऐसे ही बपतिस्मा लिया करता था।"

मैंने कहा, "कब? "

उसने कहा, "आरम्भिक युग में।"

मैंने कहा, "कौन सा आरम्भिक युग? "

उसने कहा, "तो, शुरुआत में।"

मैंने कहा, "कौन सी शुरुआत? "

उसने कहा, “बाईबल में।”

मैंने कहा, “क्या आपका मतलब है–... चेलो में—में? ”

उसने कहा, “निश्चय ही।”

मैंने कहा, “क्या आप कैथोलिक कहते हैं, या, वो—वो... ? आप कहते हैं कि वे चेले कैथोलिक थे? ”

उसने कहा, “निश्चिय ही, वे थे।”

मैंने कहा, “मैंने सोचा था कि कैथोलिक कलीसिया नहीं बदली? ”

उसने कहा, “ऐसा नहीं है।”

266 मैंने कहा, “फिर पतरस ने क्यों कहा, ‘पश्चाताप करो, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो’? और आप कहते हैं कि ऐसा था... कि वह एक पोप था? ”

267 “हाँ।”

268 “फिर आप ‘पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा’ नाम में बपतिस्मा क्यों लेते हैं? और वह तो पानी के अंदर डुबाता था, और आप पानी का छिड़काव करते हो। अब क्या हो गया है? ”

269 उसने कहा, “लेकिन, आप देखो,” कहा “कैथोलिक कलीसिया के पास कुछ भी करने का अधिकार है जो वे करना चाहते हैं।” हुंह।

270 मैंने कहा, “और आपने चेलों को कैथोलिक कहा? ”

271 उसने कहा, “हाँ।”

272 मैंने कहा, “श्रीमान, मेरे पास जोसेफस है, मेरे पास *फॉक्स की शहीदों की किताब* है, मेरे पास पेम्बर की किताब *आरंभिक युग* है, मेरे पास हिसलोप की *दो बेबीलोन* हैं, वहां जो दुनिया में सबसे प्राचीन इतिहास है, वहां पर मुझे दिखाएं कहां कैथोलिक कलीसिया को कभी नियुक्त किया गया था या कभी किसी संगठन में आने... अंतिम प्रेरित की मृत्यु के छह सौ वर्ष के बाद।”

“ओह,” उसने कहा, “हम कलीसिया जो कहती है उस पर विश्वास करते हैं।”

मैंने कहा, “मैं बाईबल जो कहता है उस पर विश्वास करता हूँ।” समझे?

"क्यों," उसने कहा, "परमेश्वर अपनी कलीसिया में है।"

273 मैंने कहा, "परमेश्वर अपने वचन में है।" और मैंने कहा, "यदि... " उसने कहा... मैंने कहा, "बाईबल यह नहीं कहती है कि परमेश्वर उसकी कलीसिया में है, लेकिन बाईबल कहती है कि परमेश्वर उसके वचन में है। 'आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था; और हमारे बीच में डेरा किया।'" वह सही बात है। मैंने कहा, "परमेश्वर अपने वचन में है।"

274 वह आगे बढ़ता गया और यह कहा। उसने कहा, "खैर, हम वाद–विवाद नहीं कर सकते," कहा, "क्योंकि आप बाईबल में विश्वास करते हैं, मैं कलीसिया में विश्वास करता हूं।"

275 मैंने कहा, "मैं विश्वास करता हूं कि बाईबल परमेश्वर का प्रेरित वचन है और इसमें एक भी विरुद्ध वचन नहीं है। और यह परमेश्वर का वचन है, आने वाले सारे युगों के लिए उसकी अनन्त योजनायें हैं। उसने कहा, 'आकाश और धरती टल जायेंगे लेकिन मेरा वचन नहीं टलेगा।' यह सही बात है। मैं वचन पर विश्वास करता हूं।"

276 वह श्रीमती फ्रेज़ियर के पास चला गया। उसने कहा, "श्रीमती फ्रेज़ियर, क्या आप यहां एक पन्ने पर हस्ताक्षर करेंगी जो सहमति देते हैं कि आपकी लड़की कैथोलिक कलीसिया की एक सदस्य हो सकती है? "

277 उसने कहा, "मैं बजाये इसके उसके साथ कब्र तक चल कर जाना पसंद करूंगी।"

278 कहा, "आपको शर्म आनी चाहिए।" कहा, "आपको आभारी होना चाहिए कि वह लड़की उस बेहूदा की बातों से बाहर निकलकर कैथोलिक कलीसिया में आ रही है।"

279 कहा, "यदि ये तुम्हारी लड़की होती मेरे कलीसिया में आती तो क्या होता, तुम इसके बारे में क्या कहते? "

280 "ओह," उसने कहा, "यह अलग बात है।"

281 कहा, "नहीं, ऐसा नहीं है।" वो जानता था कि वह कहीं तो था जब उसने उस छोटी महिला को वहां पर छोड़ा। वो जानता था कि वह कहीं तो था। उसने कहा, "अब, वही दरवाजा खुला है जहाँ से आप अंदर आये हो।"

282 देखिए, यही वो रास्ता है। भागो मत, आपको भागने की जरूरत नहीं है। यदि परमेश्वर आपके साथ है, तो आपका विरोधी कौन हो सकता है? सही है! आज परेशानी ये है, आपके पास रीढ़ की हड्डी के बजाय एक सौभाग्य है या इच्छा की हड्डी है। परमेश्वर के लिए खड़े रहे और सही रहे!

283 वही पवित्र आत्मा जो उन प्रेरितों पर और पहले के युगों में उतरा था, वह आज भी उसकी कलीसिया में है, जिनके लिए परमेश्वर ने स्वयं को प्रकट किया है। "न वह जो इच्छा करता है, न वह जो दौड़ता है, लेकिन परमेश्वर जो दया को दिखाता है।" यह परमेश्वर है, अपने चुनाव के द्वारा, लोगों को लाता है और उनकी आँखों को खोलता है। आप इसे कभी भी नहीं देख सकते है, आप अंधे हो, और कभी नहीं देख सकते जब तक कि परमेश्वर आपकी समझ को नहीं खोलता। बाईबल कहती है कि आप अंधे हो, और आप देख नहीं सकते। वहां कोशिश करने की कोई आवश्यकता नहीं है। आपकी सारी शिक्षा, विद्या के साथ आप जिसे पा सकते हैं, आप लगातार अंधे होते जाते हैं।

284 अब, आप यहाँ चर्च ऑफ क्राइस्ट हैं, आप "जहां बाईबल बोलती है वहीं बोले, और चुप रहे जहां ये चुप है," इनमें से कुछ के विषय में क्या? आप इस पर बहुत ही चुप रहते हैं। सही है।

285 देखो, इसमें आत्मिक प्रकट सत्य की आवश्यकता है। तब परमेश्वर नीचे आकर और स्वयं को प्रकट करता है और इसे सत्य होने को प्रमाणित करता है। आमीन! आप उससे प्रेम करते हैं? वैसे ही मैं भी करता हूँ। आमीन।

286 तो ठीक है, आप सभी मेथोडिस्ट अब बैपटिस्ट के साथ हाथ मिलाना चाहते हैं? आप प्रेस्बिटेरियन?

287 "अब," आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, क्या आप बैपटिस्ट और प्रेस्बिटेरियन को नापसंद करते हो जो नहीं करते हैं–... ? "

288 नहीं, श्रीमान, मैं नहीं करता। मैं उन्हें अपना भाई करके मानता हूं। बिल्कुल! मैं परवाह नहीं करता यदि आपने बपतिस्मा ही नहीं लिया हो, यदि आपने "शारोन का गुलाब, घाटी की लिली, और भोर के तारे," के नाम से बपतिस्मा लिया था, ऐसा नहीं... यह लगभग वैसा ही होगा जैसे कि "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," में लेना। बस तीन शीर्षक। वह शारोन का गुलाब था। क्या यह था? घाटी की लिली, भोर का तारा, वे सभी।

निश्चित रूप से, वो था। बस एक चीज या दूसरी चीज। लेकिन यहाँ पर जो ये है: सही वचन का तरीका यीशु मसीह के नाम में है। अगर आप वचन के अनुसार चाहते हैं, तो बिलकुल ऐसा ही है। यही सही तरीका है।

289 अब, यदि आप "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा," के नाम में बपतिस्मा लेते हैं, आपको ऐसा महसूस होता है कि यह सही है, आमीन। यदि यह परमेश्वर के लिए एक स्पष्ट विवेक की ओर एक अच्छा उत्तर है, आमीन। तो ठीक सीधे आगे बढे, देखो।

290 लेकिन जहां तक मेरा संबंध है, जहां तक मेरा भाग है, यदि आप मुझसे पूछते है, कहते है, "भाई ब्रंहम, क्या मुझे बपतिस्मा लेना चाहिए?" मैं कहूंगा, "हाँ," मेरे भाग के लिए।

291 वह छोटी स्त्री एक दिन यहाँ आई, कहा, "प्रभु ने मुझे प्रचारक बनने के लिए बुलाया है।" मैं इस बात पर विश्वास नहीं किया, ना ही इस बात से अधिक कि मैंने यह विश्वास किया था कि—कि वह चांद पर से छलांग लगा सकती है। और वह...

292 मैंने कहा, "खैर, यह बहुत अच्छी बात है, बहन।" मैंने कहा, "क्या आप विवाहित हैं?"

"हां।"

"दो बच्चे है?"

"हाँ।"

मैंने कहा, "क्या... ? क्या आपके पति बच गये है?"

"नही।"

मैंने कहा, "आप उसके साथ क्या करेंगी?"

"उसे घर पर छोड़ दूंगी।"

293 मैंने कहा, "यह शैतान का अब तक का सबसे अच्छा चारा था। आप आरम्भ से ही एक सुंदर महिला हैं, और आप यहाँ कार्य क्षेत्र में बाहर निकल रही हैं, आप एक नियमित चारा बन जायेंगी और शैतान के निशाने पर रहेंगी। और आपका पति, घर में, एक जवान पुरुष, और आप उसे इन दो बच्चों के साथ छोड़ देंगी; वह दूसरी महिला के साथ यहाँ–वहां जाना आरंभ करेगा, और इन बच्चों का इन दिनों में एक दिन दूसरा पिता होगा।" मैंने कहा, "पहले स्थान पर, यदि परमेश्वर ने स्त्री को बुलाया है, तो उसने अपने

वचन का खंडन किया।" मैंने कहा, "अब, यदि आप चाहती हैं, तो ठीक है।" मैंने कहा, "अब, विचारो को परखना, आप कहती है कि प्रभु आपको विचारो को परखने को प्रदान करता हैं। क्या आप वहां मंच पर जाना चाहती हैं, और इसकी कोशिश करना चाहती हैं? "

294 उसने कहा, "हाँ।" और आप देखिए क्या हुआ।

295 आप देखे, यह जोश में आना है। इसे तो वचन पर आना है। यदि यह वचन में नहीं है, तो यह अच्छा नहीं है। मैं परवाह नहीं करता कि आपकी भावनाएं क्या हैं, यह सही नहीं है। आमीन! यह अच्छा दिखाई देता है। आमीन!

296 तो ठीक है:

हम उजियाले में चलेंगे, क्या ही सुंदर उजियाला,
आओ जहाँ दया की ओस की बूँदें चमकती हों;
हमारे चारों ओर चमकती है दिन और रात,
यीशु, जगत का उजियाला है।

उजियाले के सारे संत घोषणा करते हैं,
यीशु, जगत का उजियाला है;
तब स्वर्ग की घंटियां बज उठेगी,
यीशु, जगत का उजियाला है।

हम उजियाले में चलेंगे, क्या ही सुंदर उजियाला है,
आओ जहां ओस गिरती है...
हमारे चारों ओर चमकती है दिन और रात,
यीशु, उजियाला है...

297 अब मैं चाहता हूं कि हर कोई सीधे आसपास मुड़कर और हाथ मिलाए, चारो ओर, अब हर एक के साथ, जैसा कि हम इसे फिर से गाते हैं:

हम उजियाले में चलेंगे, सुन्दर उजियाला, (आमीन!)
आओ जहाँ दया की ओस की बूँदें चमकती हों;
हमारे चारों ओर दिन और रात चमक रही है,
यीशु, उजियाला है...

298 क्या आप मेथोडिस्ट से प्रेम करते हैं? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] बैपटिस्ट से? प्रेस्बिटेरियन से? कैथोलिक

से? वो… ओह, क्या आप उन सब से प्रेम करते हो? कहे, “आमीन।” [“आमीन।”]

हम उजियाले में चलेंगे, सुंदर…

हाथ मिलाते हुए, जब हम जाते हैं।

ओह, वहाँ आओ जहाँ दया की ओस की बूँदें चमकती हों;
हमारे चारों ओर चमकती है और दिन और रात,
यीशु, उजियाला है…

299 इससे पहले कि हम हमारे समाप्ति के गीत को गाएं… अब, यह संभव होता है कि मैं रविवार को फिर से यहाँ आऊँ। अब, उसके बाद मैं क्रिसमस के बाद तक वापस नहीं आऊँगा। देखो, क्योंकि मैं मिशिगन जा रहा हूं, मिशिगन से कोलोराडो जाऊंगा, कोलोराडो से इदाहो, इदाहो से कैलिफोर्निया की ओर जाऊंगा, और हम वापस आ जाएंगे। और यह संभव होता है (मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए प्रार्थना करें) मैं वाटरलू, आयोवा में रहूंगा, चौबीस जनवरी से आरम्भ करते हुए दो फरवरी तक। देखो, वह वहां बड़ा अखाड़ा है, मुझे अभी कुछ समय पहले फोन आया था, और मुझे अभी से रविवार तक प्रार्थना करने के लिए जाना है। देखो, वाटरलू, आयोवा में, जो अब नजदीक है।

300 लेकिन अब, याद रखिए, शनिवार सुबह नौ बजे भाई का प्रसारण सुनना। हम उसे फोन करेंगे और उसे बताएंगे। और यह डब्लू एल आर पी पर प्रसारित होगा, नेविल पौने नौ बजे, शनिवार सुबह। हम… यदि मैं—मैं उन्हें नहीं ले पाया, तो भाई नेविल प्रश्नों को समाप्त करेंगे। क्या भाई नेविल, आप रविवार की सुबह को लेंगे? [भाई नेविल हंसते हैं और कहते हैं, “बड़ी काम है!”—आमीन।] ठीक है, देखो, यदि आप परेशानी में पड़ते है, तो मैं आपके साथ जारी रखूंगा। वो देखेगा। तो ठीक है।

301 तो ठीक है:

यीशु के नाम को अपने साथ ले,
दुःख और शोक की संतान;
यह आपको आनंद और दिलासा देगा,
ओह, जहाँ कहीं जाते है आप इसे ले जाएं।

बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर!
(कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

302 अब, यदि आप एक बैपटिस्ट को जानना चाहते हैं जो चिल्लाने में विश्वास करता है, तो मैं उसी तरह के चिल्लाने में विश्वास करता हूँ। वो बूढ़ी माँ बस वहां बैठी हुई थी, और आत्मा उस पर उतरा। वह चिल्लाने लगी, वह इसे रोक नहीं पाई, वह पीछे की ओर गई और अपनी बेटी को गले लगाया। इसी तरह से मैं इसे देखना पसंद करता हूं। आमीन। यह वास्तव में अच्छा, पुराने चलन का, हृदय से महसूस की गई भावनाये हैं। ओह, प्रभु, एक पुराना—एक पुराना, अनुभवी, परिपक्व संत, महिमा के लिए घर जाने के लिए तैयार। बस बुलावे के लिए प्रतीक्षा कर रहा है, आप देखो, बस एक अच्छे समय को बिता रहा हैं।

तो ठीक है, भाई नेविल अब, जो कुछ भी वो करना चाहते है।

प्रश्न और उत्तर इब्रानियों भाग 1 HIN57-0925

(Questions and Answers on Hebrews Part I)

कलीसिया श्रृंखला का प्रबन्ध, व्यवस्था और शिक्षा

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में बुधवार शाम, 25 सितंबर, 1957 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफ़रसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2023 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org